दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

■ ग्वालियर ■ वर्ष : 1 ■ अंक : 356

ग्वालियर, गुरुवार 15 सितम्बर 2022

पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

खास खबर

पाकिस्तान में पुलिस स्टेशन पर ग्रेनेड से हमला, 4 पुलिसकर्मी समेत 7 लोग घायल

पेशावर। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक पुलिस थाने पर आतंकवादियों के ग्रेनेड अटैक में चार पुलिसकर्मियों समेत सात लोग घायल हो गए हैं। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। घटना कोहाट जिले में मंगलवार रात उस समय हुई जब आतंकवादियों ने बिलतुंग थाने पर हथगोला फेंका, विस्फोट से परिसर में मौजूद लोग घायल हो गए। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि घटना मंगलवार रात की है। थाने पर आतंकियों ने एक हथगोला फेंका, जिसमें सात लोग घायल हो गए हैं। उनमें से चार पुलिसकर्मी थे। उन्होंने कहा कि थाने पर हमले के बाद व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया गया। अभी तक किसी भी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के प्रवक्ता मोहम्मद खुरासानी ने विस्फोट की जिम्मेदारी लेते हुए कहा कि खान पिछले कई सालों से सुरक्षा बलों का समर्थन कर रहा था। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के मुख्यमंत्री महमूद खान ने घटना की निंदा करते हुए कहा कि विस्फोट के लिए जिम्मेदार लोगों को न्याय के कटघरे में खड़ा किया जाएगा।

अमेरिका ने विनाशकारी बाढ़ से प्रभावित लोगों के लिए मानवीय सहायता भेजी

वाशिंगटन। अमेरिका ने कहा है कि उसने पाकिस्तान में भारी मानसूनी बारिश के कारण आई विनाशकारी बाढ़ से प्रभावित लोगों को दस लाख पाउंड से अधिक की महत्वपूर्ण मानवीय आपूर्ति और उपकरण पहुंचाने के लिए 10 मिशन भेज हैं। अमेरिकी रक्षा विभाग (डीओडी) पाकिस्तान में विनाशकारी बाढ़ से उपजे मानवीय संकट के मद्देनजर उसे मदद मुहैया कराने के 'यूएस एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट' (यूएसएआईडी) के प्रयासों का समर्थन कर रहा है। पेंटागन के प्रवक्ता पैट्रिक राइडर ने कहा, हमारी संवेदनाएं निश्चित रूप से उन लोगों के साथ हैं, जो इस भयानक प्राकृतिक आपदा से प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा, डीओडी ने अभी तक महत्वपूर्ण एयरलिफ्ट (हवाई निकासी) और स्टेजिंग (अस्थाई पट्टियां या चबूतरे) सहायता प्रदान करके अमेरिकी प्रशासन की यूएसएआईडी के नेतृत्व वाली प्रतिक्रिया का समर्थन किया है। राइडर ने कहा, अमेरिकी वायु सेना की मध्य कमान को सौंपे गए सी-17 और सी-130 विमानों ने पाकिस्तान में 10 सहायता मिशन का संचालन किया है, जिनके तहत पाकिस्तानी लोगों की मदद के लिए 10 लाख पाउंड से अधिक की महत्वपूर्ण मानवीय आपूर्ति और उपकरण पहुंचाए गए हैं।

वेस्ट बैंक की सीमा पर तनाव, इज़रायल ने दो फिलिस्तीनी बंदूकधारियों की हत्या की

रामल्ला। इजराइल और फलिस्तीन के बीच फिर तनाव बढ़ गया है। इजरायली सैनिकों ने अपने कब्जे वाले वेस्ट बैंक की सीमा के पास संघर्ष में दो फिलिस्तीनी बंदूकधारियों की गोली मारकर हत्या कर दी, जिसमें एक इजरायली सैन्य अधिकारी भी मारा गया है। वेस्ट बैंक, उन क्षेत्रों में है, जिसे फिलिस्तीनी अपने भविष्य के राज्य के केंद्र के रूप में चाहते हैं। हाल के महीनों में हिंसा में वृद्धि देखी गई है, क्योंकि इजरायल ने अपने शहरों में घातक फिलिस्तीनी हमलों के बाद छापेमारी तेज कर दी है। सैन्य प्रवक्ता ने कहा कि सुबह होने से पहले सैनिकों ने फिलिस्तीनी शहर जेनिन के पास वेस्ट बैंक सीमा के नजदीक एक इजरायली बैरिकेड्स के पास दो लोगों को देखा, जहां दोनों पक्षों के बीच रात में संघर्ष देखा गया। सेना ने कहा कि उन लोगों ने गोलियां चलाई जिसमें एक सेना अधिकारी की मौत हो गई। जिसके बाद अन्य सैनिकों द्वारा गोली मारकर उनकी हत्या कर दी गई। इधर सशस्त्र फिलिस्तीनी गुटों के गठबंधन जेनिन ब्रिगेड ने दो मृत बंदूकधारियों की पहचान अपने सदस्यों के रूप में की है। इसके साथ ही इसने दावा किया कि उन्होंने इजरायली सेना के एक अधिकारी को मार डाला है।वहीं पिछले कुछ हफ्तों में इजराइल ने फिलिस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास पर दबाव डालकर उत्तरी वेस्ट बैंक में सुरक्षा स्थिति को शांत करने के अपने प्रयासों पर ध्यान केंद्रित किया है।

दिवंगत महारानी के लिए उमराह करने मक्का पहुंचा यमनी नागरिक

रियाद। यमन के शख्स को कथित रूप से सऊदी अधिकारियों ने गिरफ्तार किया है। यह व्यक्ति ब्रिटेन की दिवंगत महारानी एलिजाबेथ द्वितीय की %आत्मा की शांति के लिए इस्लाम के पवित्र शहर मक्का में %उमराह% करने आया था। यमनी नागरिक ने सोशल मीडिया पर अपना एक वीडियो शेयर किया था। जिसमें वह मक्का की ग्रैंड मस्जिद के भीतर एक बैनर पकड़े नजर आ रहा है जिस पर लिखा है, क्वीन एलिजाबेथ द्वितीय के लिए उमराह, हम ईश्वर से उन्हें स्वर्ग में स्वीकार करने की कामना करते हैं। पिछले गुरुवार को ब्रिटिश क्वीन का 96 साल की उम्र में निधन हो गया था। उन्होंने 70 साल तक देश पर शासन किया।

भाजपा की दिल्ली पुलिस ने गाजीपुर कूड़े का पहाड़ देखने पहुंचे दिल्लीवासियों को रोका, विधायक आतिशी के नेतृत्व में आम जनता ने किया प्रदर्शन

नई दिल्ली। गाजीपुर कूड़े का पहाड़ देखने पहुंचे दिल्लीवासियों को भाजपा की दिल्ली पुलिस ने जबरन बैरिकेड लगाकर रोक दिया। इसके बाद विधायक आतिशी के नेतृत्व में आम जनता ने जमकर प्रदर्शन किया। विधायक आतिशी ने कहा कि जिस तरह लोग घरों से कूड़े को बाहर करते हैं, ठीक वैसे ही आगामी एमसीडी चुनावों में भाजपा को दिल्ली से बाहर कर देंगे। भाजपा की दिल्ली पुलिस को लगता है कि वह बैरिकेड लगाकर दिल्ली वालों को कूड़े का पहाड़ देखने से रोक देंगे। यह पहाड़ तो 2 किलोमीटर दूर से दिख रहा है। दिल्ली में कूड़े के पहाड़ तब दिखना बंद होंगे जब भारतीय जनता पार्टी दिल्ली को कूड़ा कूड़ा करना बंद करेगी। आम आदमी पार्टी ने आज से दिल्ली में भाजपा के कूड़ा- कूड़ा चमत्कार के खिलाफ 14 सितंबर से 14 अक्टूबर तक प्रदेशव्यापी कूड़ा विरोधी अभियान शुरू कर दिया है। इसके पहले चरण में तीन दिन का

÷भाजपा का चमत्कार देखो, कूड़े का पहाड़ देखो÷ अभियान चलाया गया। इसमें 14 सितंबर को गाजीपुर लैंडफिल साइट पर दिल्ली के लोगों को विधायक आतिशी के नेतृत्व में कूड़े का पहाड़ दिखाने ले जाया गया। लेकिन गाजीपुर लैंडफिल साइट पहुंचने से पहले ही दिल्ली पुलिस ने लोगों को बैरिकेड रोक दिया। जिसके बाद लोगों ने विधायक आतिशी के नेतृत्व में जमकर प्रदर्शन किया। अब 15 सितंबर को ओखला और 16 सितंबर को भलस्वा लैंडफिल साइट दिखाए जाएंगे।? इससे की दिल्ली वासी समझ सकें कि वहां आसपास के लोग कैसे ज़िंदगी जी रहे हैं। क्योंकि वहां भी आबादी रहती है। वहां जब आग लगती है तो कैसे हालात बन जाते है।

इस दौरान विधायक आतिशी ने कहा कि कूड़े का पहाड़ जैसे ही दिख जाए तो पता चल जाता है कि दिल्ली आ गई। यह दिल्ली वालों के लिए शर्म की बात है। आज यह समझ नहीं आ रहा है कि पुलिस हमें क्यों रोक रही है। यह पहाड़ तो 2 किलोमीटर दूर से दिख रहा है। अगर आप हमें पास आने से रोकेंगे तो क्या वह दिखना बंद हो जाएगा। कूड़े का पहाड़ तब दिखना बंद होगा जब भारतीय जनता पार्टी दिल्ली को कूड़ा कूड़ा करना बंद करेगी। यहां पर सभी अधिकारी खड़े हैं तो क्या यहां से कूड़े का पहाड़ नहीं दिख रहा है। दिल्ली वाले उस? पहाड़ को देखना चाहते हैं कि किस तरह से 15 साल में भाजपा ने एमसीडी में कूड़ा-कूड़ा कर दिया है। पुलिस को लगता है कि वह बैरिकेड लगाकर दिल्ली वालों को कूड़े का पहाड़ देखने से रोक देंगे।

बिहार में शुरु हुआ अराजकता का नया दौर, यहां सरकार नाम की कोई चीज नहीं : गिरिराज सिंह

पटना। बेगूसराय जाने के क्रम में नई दिल्ली से पटना पहुंचे केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने बुधवार को पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि बिहार में सरकार नाम की कोई चीज नहीं है। बेगूसराय के सांसद और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने राज्य में 'जंगलराज' बताते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा 'मुख्यमंत्री को भय लगता है कि जिस दिन जंगलराज कहूंगा, उस दिन उपमुख्यमंत्री उन्हें सत्ता से हटा देंगे। उन्होंने कहा कि जब अपराधी बेखौफ हो जाते हैं तो बेगूसराय जैसी घटना घटती है। 30 किमी तक चार थाने से होते हुए अपराधी रोड से बिना रोक टोक गुजरते हैं, बेखौफ गोलियां चलाते हैं, भय नाम की चीज खत्म हो गई है। भाजपा नेता ने मुख्यमंत्री से नैतिकता के आधार पर सामने आकर अपराधियों पर नकेल कसने की अपील की। उन्होंने यह भी कहा महत्वाकांक्षा के लिए आपने जो कदम उठाया तो यह होना ही है, रोपे पेड़ बबूल का तो आम कहां से होए। इस बीच, भाजपा ने बुधवार को बेगूसराय बंद बुलाया। जिसका असर सुबह से ही दिख रहा है। बुधवार को अन्य दिनों की तुलना में कम वाहन दिखाई दिए। व्यापारिक प्रतिष्ठान भी बंद दिखे, हालांकि, अब तक किसी अप्रिय घटना का समाचार नहीं है। इस बीच, हर हर महादेव चौक पर केंद्रीय मंत्री व स्थानीय सांसद गिरिराज धरने पर बैठ गए हैं। साथ में भाजपा के कार्यकर्ता भी मौजूद हैं। सड़क पूरी तरह जाम हो गया है। गिरिराज सिंह ने कहा कि घटना के लिए सिर्फ और सिर्फ नीतीश कुमार जिम्मेदार हैं। गिरिराज सिंह ने बिहार सरकार पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने कहा, बेगूसराय की घटना बिहार के लिए बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। जब से महागठबंधन की सरकार बिहार में बनी है, लॉ एंड ऑर्डर की व्यवस्था पूरी बिगड़ गई है। एलओपी विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि हमने चाणक्य के रूप में काम किया और उस कुरसी कुमार (सीएम नीतीश) को चंद्रगुप्त बनाया।

सुरक्षा बलों ने सर्च अभियान में टोंटों थाना क्षेत्र के गांव में जमीन में दबा मिली नक्सलियों की सामग्री

चाईबासा। सीआरपीएफ की 197 बटालियन एवं जिला पुलिस ने नक्सल प्रभावित टोंटो थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कोल्हान रिजर्व वन क्षेत्र के हुसिपी गांव के समीप घने जंगलों में सर्च अभियान चलाकर नक्सलियों द्वारा जमीन के अंदर छिपाकर रखे गए एक बॉक्टेस से अनेक सामग्री बरामद की है। नक्सलियों के खिलाफ यह सर्च आपरेशन द्वितीय कमान अधिकारी सह अभियान कमांडर परविंदर सिंह के नेतृत्व में चलाया गया। सीआरपीएफ-197 बटालियन की तीन अलग-अलग कंपनी के कमांडर उप कमांडेंट शंभू विश्वास, सहायक कमांडेंट सुरेन्द्र बेनीवाल एंव सहायक कमांडेंट नुपुर चक्रवर्ती के सहयोग से चलाया गया। इस संबंध में अभियान कमांडर परविंदर सिंह ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी की टोंटो थाना क्षेत्र अन्तर्गत हुसिपी गांव के समीप सरगाडीह के जंगल में नक्सली गतिविधियां कर रहे हैं। साथ ही नक्सली जंगल में कुछ सामान छिपा कर रखा है। इसके बाद विशेष रणनीति के तहत सीआरपीएफ-197 बटालियन की तीन कंपनी की उक्त पदाधिकारियों के नेतृत्व में जंगल की घेराबंदी कर सर्च अभियान चलाया गया। इसी क्रम में हुसिपी गांव के समीप जंगल की पहाड़ी पर जमीन के अंदर छिपी बाक्स पाई गई।

सपा नेता आजम खान को हार्ट अटैक अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के नेता आजम खान की तबीयत नासाज है और उन्हें दिल्ली के गंगाराम अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। फिलहाल, उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है और वह डाक्टरों की निगरानी में हैं। जानकारी के अनुसार, आजम खान जब रामपुर में थे, तो उन्हें सीने में जलन, दर और सांस लेने में तकलीफ महसूस हुई थी। मंगलवार को आजम खान दिल्ली आए हुए थे। इस दौरान उन्हें दिल्ली गंगा राम अस्पताल में भर्ती करवाया गया। डॉक्टरों ने जांच के बाद आजम खान को बताया कि उन्हें हर्ट अटैक आया था। जाँच में उनके दिल की एक नस में ब्लॉकेज मिला है। बाद में मंगलवार को ही डॉक्टरों ने एंजियोप्लास्टी के बाद उनके हॉर्ट में एक स्टंट डाला था। फ़िलहाल, आजम खान की हालत स्थिर बताई जा रही है और आईसीयू में उनका इलाज चल रहा है। आजम खान की तबीयत ठीक है, लेकिन डॉक्टरों ने अभी उन्हें अपनी निगरानी में आईसीयू में रखा है। एक या दो दिन बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल सकती है। आजम खान की देखभाल के लिए उनके साथ अस्पताल में उनके बेटे और सपा विधायक अब्दुल्लाह आजम मौजूद हैं।आजम खान की पत्नी पूर्व सांसद डॉ तजीन फातिमा और बड़े बेटे अदीब आजम भी दिल्ली में ही हैं।

गरीब हिंदू प्रवासियों की दुर्दशा पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करे मोदी सरकार - दिल्ली हाईकोर्ट

कई सालों से बिना बिजली के रह रहे हिंदू प्रवासी

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने इसकी उम्मीद जाहिर कि केंद्र सरकार शहर में झुग्गियों में बिना बिजली के रह रहे पाकिस्तान के गरीब हिंदू प्रवासियों की दुर्दशा पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करेगी। मुख्य न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा की अध्यक्षता वाली पीठ ने केंद्र से कहा कि वह उस याचिका पर दो हफ्ते के अंदर अपना जवाब दायर करे, जिसमें करीब 800 इसतरह के प्रवासियों को बिजली की आपूर्ति नहीं देने पर चिंता जाहिर की गई है।

अदालत ने पूछा कि बिजली वितरण के लिए उन्हें पिछले पांच-छह साल से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) क्यों जारी नहीं किए गए हैं। पीठ ने महीने की शुरुआत में पारित आदेश में कहा कि जिस भूमि पर झुग्गी बसी है, वह भारत सरकार/रक्षा विभाग/डीएमआरसी (दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन) की है तथा जमीन का मालिकाना हक रखने वाली एजेंसी की ओर से एनओसी नहीं देने की वजह से बिजली वितरण कंपनी बिजली के कनेक्शन उपलब्ध कराने की स्थिति में नहीं है। इस पीठ में न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम भी शामिल हैं। पीठ ने कहा, इस अदालत को उम्मीद और विश्वास है कि भारत सरकार प्रवासियों की दुर्दशा पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करेगी और दो सप्ताह में हलफनामा दाखिल करेगी। बिजली आपूर्ति का काम करने वाली 'टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटिड ने कहा कि बिजली उपलब्ध कराने के लिए जमीन पर खंभे लगाना होगा, इसकारण एनओसी की जरूरत है। याचिकाकर्ता हरिओम का दावा है कि वह सामाजिक कार्यकर्ता हैं और पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से भारत आए वहां के अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए काम करते हैं। उन्होंने पिछले साल अदालत का रुख कर कहा था कि पाकिस्तान, खासकर सिंध प्रांत के प्रवासी उत्तर दिल्ली के आदर्श नगर इलाके में पिछले कई साल से बिना बिजली के रह रहे हैं। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि प्रवासी लंबी अवधि के वीजा पर भारत आए थे, वे गरीब लोग हैं, जिनके पास कोई स्थायी आश्रय नहीं है और उनके पास आधार कार्ड है। उसने कहा, यह भी बताया गया है कि क्षेत्र में छोटे बच्चे व महिलाएं हैं और बिजली के अभाव में इन परिवारों का गुजारा करना बहुत मुश्किल हो गया है।

मसूरी टनल के शिलान्यास का केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री को दिया निमंत्रण

800 करोड़ की लागत से बननी है तीन किमी. लम्बी सुरंग देहरादून-किमाड़ी मोटर मार्ग को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित किये जाने का भी किया अनुरोध

देहरादून। प्रदेश के कृषि व कृषक कल्याण, सैनिक कल्याण एवं ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गड़करी से मुलाकात की। इस दौरान काबीना मंत्री गणेश जोशी ने मसूरी के लिए लगभग 800 करोड़ की लागत से बनने वाली तकरीबन तीन किलोमीटर लम्बी सुरंग शीघ्र टनल के शिलान्यास के लिए केंद्रीय मंत्री नितिन गड़करी को उत्तराखंड में आने का निमंत्रण के साथ ही देहरादून-किमाड़ी मोटर मार्ग को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित किये जाने का अनुरोध किया। इस अवसर पर जिस पर केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गड़करी ने कहा कि मसूरी में बनने जा रही टनल का शिलान्यास वह जनवरी माह के प्रथम सप्ताह में उत्तराखंड पहुंचकर टनल का शिलान्यास करेंगे। गौरतलब है कि टनल के कार्य को वर्तमान में (छभए) भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने टेकओवर कर लिया है, और उसकी डीपीआर भी फाइनल हो गई है। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनवरी माह के प्रथम सप्ताह में वह स्वयं उत्तराखंड पहुंचकर टनल का शिलान्यास करेंगे। उन्होंने कहा कि इसके लिए सभी तैयारियां शीघ्र अति शीघ्र पूर्ण कर ली जाए। इस अवसर पर इसके अतिरिक्त कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी के अनुरोध पर केंद्रीय मंत्री नितिन गड़करी से देहरादून-किमाड़ी मोटर मार्ग को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित किये जाने को लेकर अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रधानमंत्री गति शक्ति योजना के तहत देहरादून - किमाड़ी मोटर मार्ग के कार्य का परीक्षण किया जाए। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी को आश्वस्त करते हुए कहा कि दोनों प्रकरणों को गंभीरता से लेते हुए इसमें कार्य किया जाएगा।

हिंदी अपनी सादगी, सहजता से लोगों को अपनी ओर आकर्षित करती - पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिंदी दिवस के मौके पर लोगों को बधाई देकर कहा कि इसकी सादगी, सहजता और संवेदनशीलता हमेशा लोगों को अपनी ओर आकर्षित करती है। पीएम मोदी ने उन सभी लोगों को बधाई दी जिन्होंने हिंदी को समृद्ध और सशक्त बनाने में अथक योगदान दिया है।

पीएम मोदी ने ट्वीट में कहा कि हिन्दी ने विश्वभर में भारत को एक विशिष्ट सम्मान दिलाया है। इसकी सरलता, सहजता और संवेदनशीलता हमेशा आकर्षित करती है। हिन्दी दिवस पर मैं उन सभी लोगों का हृदय से अभिनंदन करता हूं, जिन्होंने इसे समृद्ध और सशक्त बनाने में अपना अथक योगदान

दिया है। इसके पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि हिंदी सभी भारतीय भाषाओं की मित्र है और यह एक आधिकारिक भाषा के रूप में 'पूरे देश को एकता के सूत्र में बांधती है। शाह ने ट्वीट करके कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार हिंदी सहित सभी स्थानीय भाषाओं के एक साथ विकास के लिए प्रतिबद्ध है। शाह ने हिंदी में ट्वीट करके कहा कि 'राजभाषा हिंदी राष्ट्र को एकता के सूत्र में पिरोती है। हिंदी सभी भारतीय भाषाओं की सखी है। हिंदी के संरक्षण व संवर्धन में योगदान देने वाले महानुभावों को नमन करता हूं। सभी को 'हिंदी दिवस' की शुभकामनाएं। गौरतलब है कि हर साल 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है। भारत संघ की आधिकारिक भाषा के रूप में घोषित होने के बाद यह दिन हिंदी भाषा को समर्पित है। भारत की संविधान सभा ने 14 सितंबर, 1949 को देवनागरी लिपि में लिखी गई हिंदी को भारत संघ की आधिकारिक भाषा घोषित किया।

देश के युवा अपनी मातृभाषा तथा राजभाषा को स्वीकार करें - केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह

सूरत में 'हिन्दी दिवस समारोह 2022' तथा 'द्वितीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन' आयोजित

सूरत। 14 सितंबर हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अधीनस्थ राजभाषा विभाग द्वारा केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में बुधवार को सूरत में 'हिन्दी दिवस समारोह 2022' तथा 'द्वितीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन' आयोजित हुआ। इस अवसर पर राज्य के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शाह ने हिन्दी दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि सूरत की पावन भूमि पर से देश में सर्वप्रथम वीर नर्मद ने भाषाओं के महत्व को उजागर किया था। वीर नर्मद ने गरवी गुजरात (गौरवशाली गुजरात) का सपना देकर अंग्रेज़ों से देश का व्यवहार हिन्दी में चलाने का आग्रह किया था। श्री शाह ने कहा कि सूरत उत्साह तथा मनोरथों को सिद्ध करने वाली भूमि है। बच्चों को स्वभाषा (मातृभाषा) तथा राजभाषा में शिक्षा देने की हिमायत करते हुए श्री अमित शाह ने कहा कि

आज़ादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर सभी लोग साथ मिल कर आगामी 25 वर्षों में अपनी स्वभाषाओं के माध्यम से देश को सर्वोच्च शिखरों तक ले जाने का संकल्प करें। उन्होंने कहा कि हमारी स्थानीय भाषाएँ तथा राजभाषाएँ विश्व की सर्वाधिक समृद्ध भाषाएँ हैं। हिन्दी जन साधारण की राजभाषा है और उसे आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में बनाई गई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में प्राथमिक शिक्षा मातृभाषा में दिए जाने पर बल दिया गया है। नई शिक्षा नीति में यह लक्ष्य निर्धारित किया गया है कि मेडिकल, साइंस, टेक्निकल, इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम भी मातृभाषा में पढ़ाए जाएँ। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस नीति से आगामी समय में भाषाओं के क्षेत्र में भारत आत्मनिर्भर बनेगा। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि हमारी संस्कृति; हमारे इतिहास तथा हमारी अनेक पीढ़ियों के साहित्य सृजन को समझना हो, तो राजभाषा को जानना आवश्यक है। भारत देश के युवाओं में असीम क्षमताएँ विद्यमान हैं। उन्होंने देश के युवाओं से अपनी मातृभाषा तथा राजभाषा को स्वीकार करने का अनुरोध किया। उन्होंने बच्चों के स्वर्णिम भविष्य के लिए घर में बातचीत की भाषा के रूप में अपनी मातृभाषा को अपनाने का भी अनुरोध किया। शाह ने कहा कि भारत अनेक भाषाओं से समृद्ध देश है।

न्यूज़ ट्रैक....

धोनी की इस नीति के कारण बाहर हुए थे अनुभवी खिलाड़ी : श्रीधर

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व भारतीय फील्डिंग कोच आर श्रीधर ने कहा है कि पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने फील्डिंग और फिटनेस पर भी उतना ही ध्यान दिया था जितना बल्लेबाजी और गेंदबाजी पर दिया। धोनी की इसी नीति के कारण कुछ अनुभवी खिलाड़ियों को भी टीम से बाहर होना पड़ा था क्योंकि वे फील्डिंग और फिटनेस में पिछड़ गये थे। धोनी ने पिछले एक दशक में सभी प्रारूपों में भारतीय टीम को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। . धोनी के आने से पहले सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़, सौरव गांगुली, वीवीएस लक्ष्मण, अनिल कुंबले जैसे महान खिलाड़ी भारतीय टीम में थे पर इसके बाद भी टीम को आईसीसी टूर्नामेंट में संघर्ष करना पड़ रहा था। धोनी ने टीम की कमान संभालते ही भारतीय टीम के रुख को बदल दिया। श्रीधर साल 2014 में धोनी की कप्तानी के दौरान भारत के फील्डिंग कोच बने थे। उन्होंने कहा कि धोनी ने तब साफ कर दिया था कि फील्डिंग और विकेटों के बीच दौड़ना दो ऐसे क्षेत्र थे, जिनके लिए वह कोई समझौता नहीं करेंगे। इस कारण कुछ अनुभवी खिलाड़ी टीम में जगह बरकरार नहीं रख पाये। धोनी के बाद इसी कड़ी को विराट कोहली ने कप्तान बनते ही आगे बढ़ाया। इसी का परिणाम है कि पिछले कुछ वर्षों में शानदार फील्डिंग प्रयासों से भारतीय टीम को रन बचाने का काफी फायदा मिला है। कोहली और रवींद्र जडेजा ने राष्ट्रीय टीम में स्वयं को सर्वश्रेष्ठ भारतीय फील्डर के रूप में स्थापित किया है।

विराट को संन्यास की सलाह देकर फंसे शाहिद अफरीदी

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को संन्यास की सलाह दी है। अफरीदी ने विराट से कहा कि उन्हें टीम से बाहर किये जाने से पहले ही स्वयं खेल को अलविदा कर देना चाहिये। इस पर भारतीय स्पिनर अमित मिश्रा ने अफरीदी को करार जवाब दिया है। मिश्रा ने सोशल मीडिया पर लिखा, डियर अफरीदी , कुछ लोग केवल एक बार ही संन्यास लेते हैं, इसलिए कृपया विराट कोहली को छोड़ दें। इस प्रकार मिश्रा ने एक प्रकार से अफरीदी पर निशाना साधा है। अफरीदी ने अपने करियर में दो बार संन्यास लिया था। पहली बार उन्होंने फरवरी 2017 में ऐसा किया। इसके बाद अप्रैल 2018 में भ वापसी की थी। इससे पहले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने सितंबर 2016 में कहा था कि वे चाहते हैं कि अफरीदी रिटायर हो जाएं। पर इसके बाद उनका बोर्ड से मतभेद भी हुआ था.

भारतीय महिला टीम ने दूसरे टी20 मुकाबले में इंग्लैंड को 8 विकेट से हराया

डर्बी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने यहां खेले गये दूसरे टी20 मुकाबले में इंग्लैंड को 8 विकेट से हरा दिया। भारतीय टीम की जीत में अनुभवी बल्लेबाज स्मृति मंधाना की अहम भूमिका रही। मंधाना ने नाबाद अर्धशतक 79 रनों की पारी खेली। डर्बी क्रिकेट मैदान पर खेले गए मुकाबले में इंग्लैंड की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट के नुकसान पर 142 रन बनाये। इस प्रकार भारतीय टीम को जीत के लिए 143 रनों का लक्ष्य मिला। इसे भारतीय टीम ने दो विकेट के नुकसान पर ही हासिल कर लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए मंधाना और कप्तान हरमनप्रीत कौर ने चौथे विकेट के लिए 69 रनों की साझेदारी कर भारतीय टीम को जीत दिलायी। मंधाना ने जहां 79 रन बनाये। वहीं हरमनप्रीत ने भी नाबाद 29 रन बनाये। वहीं शेफाली वर्मा 20 रन बनाकर आउट हुईं जबकि तीसरे नंबर पर उतरीं दयालन हेमलता 9 रन ही बना पायीं।

इस मुकाबले में इंग्लैंड की कप्तान एमी जोन्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी शुरु की। मेजबान टीम ने शुरुआत में ही ओपनर सोफिया डंकले का विकेट खो दिया। गई. इसके बाद तीसरे ही ओवर में रेणुका सिंह ने डैनी वॉट को 6 रन पर ही पेवेलियन भेज दिया। एलिस कैप्सी भी 4 रन बनाकर आउट हो गयीं। 16 रन पर तीन विकेट गिरने के बाद ब्रायोनी स्मिथ ने 16 और कप्तान जोन्स ने 17 रन बनाकर टीम को संभाला इंग्लैंड की आधी टीम 54 रनों पर ही आउट हो गयी।

फ्रेया केम्प और माइया बाउचियर ने छठे विकेट के लिए 65 रनों की साझेदारी कर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। बाउचियर ने 34 रनों की पारी खेली। वहीं फ्रेया ने नाबाद 51 रन बनाये। सोफी 7 रन बनाकर नाबाद रहीं।

श्रीलंका लीजेंड्स ने इंग्लैंड लीजेंड्स को 7 विकेट से हराया

कानपुर। सनथ जयसूर्या की घातक गेंदबाजी की सहायता से श्रीलंका लीजेंड्स ने यहां रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज के दूसरे ही मैच में इंग्लैंड लीजेंड्स को 7 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ ही श्रीलंका लीजेंड्स ने टूर्नामेंट में लगातार दूसरी जीत दर्ज की है। इस जीत के साथ ही श्रीलंका लीजेंड्स की टीम अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गयी है जबकि इंडिया लीजेंड्स दूसरे स्थान पर फिसल गयी है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड की टीम ने 19 ओवर में 78 रन बनाये। वहीं श्रीलंका की ओर से बाएं हाथ के स्पिनर जयसूर्या ने 4 विकेट लिए। इसके बाद श्रीलंका लीजेंड्स ने लक्ष्य को 14.3 ओवरों में ही तीन विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। इस मामले में लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंकाई टीम की ओर से कप्तान तिलकरत्ने दिलशान और दिलशान मुनावीरा ने अच्छी शुरुआत की। दोनों ने पहले विकेट के लिए 24 रन बनाये। दिलशान 15 रन बनाकर आउट हुए। वहीं मुनावीरा 24 और उपुल थरंगा ने 23 रन बनाये। जीवन मेंडिस ने 8 रन बनाये जबकि चमारा सिल्वा खाता भी नहीं खोल पाये।

बिश्नोई, चाहर और सैमसन की उपेक्षा से प्रशंसक हैरान

मुम्बई। ऑस्ट्रेलिया में अगले माह अक्टूबर-नवंबर में होने वाले आईसीसी पुरुष टी20 कप के लिए चयनित भारतीय टीम में तीन ऐसे खिलाड़ियों को अवसर नहीं मिला है जो जगह के प्रबल दावेदार माने जा रहे थे। ऐसे में इन्हें जगह नहीं मिलने से प्रशंसक हैरान हैं। ये तीन खिलाड़ी हैं। विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन , स्पिनर रवि बिश्नोई और ऑलराउंडर दीपक चाहर। संजू सैमसन - इस विकेटकीपर बल्लेबाज का पिछला प्रदर्शन अच्छा रहा है। सैमसन विकेटकीपिंग के साथ ही अच्छी बल्लेबाजी के लिए भी जाने जाते हैं। सैमसन ने भारतीय टीम के लिए अबतक 16 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 15 पारियों में 21.1 की औसत से 296 रन बनाये हैं। टी20 क्रिकेट में उनका स्ट्राइक रेट 135.2 का रहा है।

रवि बिश्नोई

इस युवा स्पिनर को 15 सदस्यीय टीम में जगह नहीं मिली है हालांकि उन्हें रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर रखा गया है। हाल ही में संपन्न हुए एशिया कप में बिश्नोई ने अच्छा प्रदर्शन किया किया था। इसके अलावा आईपीएल में उनकी गेंदबाजी अच्छी रही थी। बिश्नोई ने क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में भारतीय टीम के लिए अबतक 10 टी20 मुकाबले खेले हैं। इस दौरान उन्होंने 10 पारियों में 17.1 की औसत से 16 विकेट लिए है।

दीपक चाहर

इस ऑलराउंडर को भी 15 सदस्यीय टीम में शामिल नहीं करते हुए केवल रिजर्व खिलाड़ी के रूप में रखा गया है जबकि चाहर ने चोट के बाद वापसी करते हुए अपनी पहली ही सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था। ऐसे में उनका चयन तय माना जा रहा था पर उन्हें फिर भी टीम में जगह नहीं मिली। चाहर गेंदबाज होने के साथ ही अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए भी जाने जाते हैं।

जर्मनी में चैम्पियंस लीग फुटबॉल में खेलते हुए बेयर्न म्यूनिख व एफसी बार्सिलोना के खिलाड़ी।

पूर्व क्रिकेटर बोला, मुख्य चयनकर्ता वसीम को बाहर करें

लाहौर। पाकिस्तान के एक पूर्व टेस्ट क्रिकेटर सादिक मोहम्मद ने कहा है कि एशिया कप में टीम की हार के लिए मुख्य चयनकर्ता मोहम्मद वसीम को बर्खास्त कर देना चाहिये। सादिक ने कहा, इस चयन समिति को बदलने का यह समय आ गया है। वसीम को तो बाहर कर ही देना चाहिये। वह एक बेहतर टीम बनाने में नाकाम रहे हैं। पाक टीम की बल्लेबाजी पर इस पूर्व क्रिकेटर ने चिंता जताते हुए कहा कि टीम के पास केवल दो अच्छे बल्लेबाज कप्तान बाबर आजम और विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान हैं। उन्होंने कहा कि बाकी सिर्फ नारे लगाने वाले थे।

सादिक ने टीम चयन पर सवाल उठाते हुए कहा, ऐसा लगता है कि आसिफ और इफ्तिखार हमारे मुख्य चयनकर्ता के पसंदीदा खिलाड़ी हैं। उन्हें खराब प्रदर्शन के बाद भी सभी दौरों के लिए टीम में रखा गया है, हालांकि उन्होंने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है। मुझे लगता है कि उन्हें अब बाहर किया जाना चाहिये। ये दोनों ही बल्लेबाज क्लब स्तर के हैं और इन्हें घरेलू क्षेत्रीय टीमों में भी जगह नहीं मिलनी चाहिये। इनके कारण योग्य युवाओं को जगह नहीं मिल पा रही है।

इन पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि अच्छी तकनीक वाले बल्लेबाज ही पाक टीम को लक्ष्य हासिल करने में मदद कर सकते हैं, जिस तरह से अतीत में मोहम्मद यूसुफ, इंजमाम-उल-हक, जावेद मियांदाद, जहीर अब्बास और आसिफ इकबाल करते थे। साथ ही यह भी कहा कि टीम को मध्यक्रम में ठोस बल्लेबाजों की बेहद जरूरत है। उन्होंने कहा कि बल्लेबाजी कोच मोहम्मद युसूफ बता रहे होंगे कि कैसे खेलना है पर वर्तमान समय के मध्यक्रम के बल्लेबाजों में लगता है खेल की रणनीति सीखने का बिलकुल भी मन नहीं है। वहीं बल्लेबाज फखर जमां को लेकर कहा कि जमां एक सलामी बल्लेबाज के रूप में बेहतर हो सकते थे।

सादिक पाकिस्तान के पूर्व कोच मिकी आर्थर के बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान को अलग नंबर पर बल्लेबाजी करने के सुझाव से भी सहमत हैं। उन्होंने कहा कि आजम खराब दौर से गुजर रहे हैं , इसलिए उन्हें तीसरे नंबर पर भेजा जाना चाहिये। वहीं इमाम-उल-हक को रिजवान के साथ पारी के शुरुआत के लिए भेजना चाहिये।

व्यापार न्यूज

सोना और चांदी कमजोर

नई दिल्ली। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजार में बुधवार को सोने और चांदी के भावों में गिरावट आई है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दोनों ही कीमती धातुओं में कारोबार गिरावट के साथ शुरू हुआ है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने का भाव 0.13 फीसदी लुढ़क गया है। चांदी में भी शुरुआती कारोबार में गिरावट देखी जा रही है और भाव 1.20 फीसदी नीचे आया है। एमसीएक्स पर 24 कैरेट शुद्धता वाले सोने का भाव सुबह 64 रुपए घटकर 50,0074 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया था। सोने में बुधवार को कारोबार 50,069 रुपए से शुरू हुई थी। कुछ समय बाद भाव 50,112 रुपए पर पहुंच गया लेकिन बाद में यह थोड़ा गिरकर 50,0074 रुपए पर आ गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर चांदी के भाव भी नरमी लिए हुए है। चांदी की कीमत बुधवार को 692 रुपए गिर गया है और यह प्रति किलो 56,799 रुपढ हो गया है। चांदी में 57,099 रुपढ से शुरू हुई थी। कुछ देर बाद भाव में तेजी आई और यह 57,649 रुपढ हो गया लेकिन यह तेजी टिकी नहीं और चांदी गिरकर 56,799 रुपए कारोबार करने लगी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में बुधवार को सोने और चांदी के भावों में तेज गिरावट आई है। सोने का भाव 1.43 फीसदी लुढ़क गया है तो चांदी की कीमत भी बुधवार को 2.73 फीसदी गिरा है। सोने का हाजिर भाव

चीता पुनर्वास परियोजना के लिए पांच साल में 50 करोड़ रुपये देगी आईओसी

नई दिल्ली । देश की प्रमुख पेट्रोलियम कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) अफ्रीका से भारत में चीतों के महत्वाकांक्षी पुनर्वास के लिए 50.22 करोड़ रुपये देगी। कंपनी ने इसकी जानकारी दी। आईओसी ने 75 करोड़ रुपये की परियोजना लागत के दो-तिहाई हिस्से को पूरा करने के लिए राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) के साथ एक समझौते ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। आईओसी ने कहा कि एनटीसीए के तत्वावधान में आईओसी द्वारा संचालित महत्वाकांक्षी 'चीता पुर्नवास परियोजना' सात दशक के बाद 17 सितंबर को भारतीय जमीन पर पहले चीते का स्वागत करने के लिए तैयार है। आईओसी कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के माध्यम से 'चीता परियोजना' का समर्थन करने वाली पहली और एकमात्र कॉरपोरेट है। इस परियोजना के तहत नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से 15-20 चीते मध्यप्रदेश के 'कुनो नेशनल पार्क' में लाए जाएंगे। आईओसी चीतों के पुनर्वास के साथ-साथ इनके रहने के ठिकाने के प्रबंधन, संरक्षण, पारिस्थितिकी विकास, कर्मचारी प्रशिक्षण और पशु चिकित्सा स्वास्थ्य देखभाल के लिए पांच साल में 50.22 करोड़ रुपये देगी। आईओसी ने दो अगस्त को कहा था कि उसने भारत में चीतों के स्थानांतरण के लिए एनटीसीए के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। समझौता ज्ञापन पर आईओसी के चेयरमैन एस एम वैद्य और एनटीसीए के महानिदेशक (चीता परियोजना) और सदस्य सचिव एस पी यादव ने हस्ताक्षर किए। भारत में चीतों की आबादी 19वीं शताब्दी के दौरान घट गई।

महिंद्रा उतारेगी 5 नई इलेक्ट्रिक एसयूवी

-कंपनी ईवी मार्केट में छा जाने की कर रही तैयारी

नई दिल्ली। स्वदेशी कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा कंपनी के कार्यकारी निदेशक (वाहन और कृषि क्षेत्र) राजेश जेजुरिकर ने कहा कि कंपनी को उम्मीद है कि घरेलू बाजार में फ्लीट और स्पोर्ट्स यूटिलिटी खंड बदलाव की अगुवाई करेगा और क्रमिक रूप से इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर रुझान बढ़ेगा। उन्होंने कहा, ''हमारा आंतरिक शोध बताता है कि मौजूदा एसयूवी खरीदारों में से 25 प्रतिशत अपनी अगली खरीद के रूप में एक इलेक्ट्रिक एसयूवी खरीदने पर विचार करना चाहेंगे। शोध हमें यह भी बताता है कि अगले 2-3 वर्षों में हम इस तरह के बदलाव को देखेंगे।''उन्होंने कहा कि कंपनी को उम्मीद है कि अब से पांच साल बाद उसकी लगभग 20-30 प्रतिशत एसयूवी इलेक्ट्रिक होंगी। पर्यावरण के अनुकूल वाहनों पर बढ़ा दांव लगाते हुए महिंद्रा पांच नए इलेक्ट्रिक स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) लाने की तैयारी कर रही है, जिनमें से चार वाहन दिसंबर, 2024 से 2026 के बीच बाजार में आने की उम्मीद है। जेजुरिकर ने कहा कि घरेलू बाजार में इलेक्ट्रिक कारों की शुरुआत उन घरों से होगी, जहां पहले ही कई कारें हैं। इसके अलावा फ्लीट डिवीजन (जहां बहुत सारी कारों की आवश्यकता हो, मसलन कैब सर्विस) बहुत तेजी से इलेक्ट्रिक की ओर बढ़ेगा, क्योंकि यह उनके आर्थिक हित में है।उन्होंने कहा कि पर्सनल कार के मामले में इलेक्ट्रिक हैचबैक और सिडान की मांग धीमी रहेगी, क्योंकि ग्राहक पर्याप्त चार्जिंग अवसंरचना के अभाव में परिवार में एकमात्र कार के लिए अधिक कीमत का भुगतान नहीं करना चाहेंगे। उन्होंने कहा कि एसयूवी खंड में चाहे शुरुआत स्तर की गाड़ियां हो या मध्यम आकार की इलेक्ट्रिक गाड़ियां, उन्हें बहुत तेजी से अपनाया जाएगा। उन्होंने इसके पीछे की वजह को लेकर कहा कि एसयूवी आमतौर पर उन घरों का हिस्सा होती है जिनके पास एक से अधिक कार होती हैं।

गाजियाबाद और पटना में पेट्रोल और डीजल महंगा

नई दिल्ली। वै?श्विक बाजार में कच्?चे तेल की कीमतों में पिछले 24 घंटे के दौरान कुछ गिरावट आई है। सरकारी तेल कंपनियों ने बुधवार को दिल्?ली, मुंबई सहित देश के चारों महानगरों में एक बार फिर पेट्रोल-डीजल कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है ले?कि यूपी के गाजियाबाद में पेट्रोल 32 पैसे चढ़कर 96.58 रुपए प्रति लीटर और डीजल 30 पैसे चढ़कर 89.75 रुपए लीटर पहुंच गया है। इसी तरह पटना में पेट्रोल 56 पैसे महंगा होकर 107.80 रुपए लीटर और डीजल 52 पैसे चढ़कर 94.56 रुपए प्रति लीटर पहुंच गया है। कच्?चे ब्रेंट क्रूड का भाव पिछले 24 घंटे में गिरकर 93.45 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है, जबकि डब्?ल्?यूटीआई भी गिरकर 87.58 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर है। गाजियाबाद में 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.80 रुपए और डीजल 94.56 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्ट ब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

गूगल टीवी का एक नया वर्जन लांच करने की योजना में

मुंबई। रिपोर्ट के मुताबिक गूगल क्रोमकास्ट विद गूगल टीवी का एक नया वर्जन लांच करने की योजना बना रही है। यह डिवाइस एचडी स्ट्रीमिंग की पेशकश करेगा और कीमत कम होगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक कुछ हफ्ते पहले इस गूगल टीवी एचडी के साथ गीकबेंच पर देखा गया था। बता दें कि हाल ही में क्रोमकास्ट विद गूगल टीवी की लाइव इमेज और संभावित प्राइसिंग भी ऑनलाइन लीक हो गई थी। अब गूगल के अपकमिंग किफायती क्रोमकास्ट को सर्टिफिकेशन वेबसाइट पर देखा गया है, जो डिवाइस के जल्द लांच करने की ओर इशारा करता है। क्रोमकास्ट की कीमत लगभग 2400 रुपये होगी। क्रोमकास्ट विद गूगल टीवी का नया सस्ता वर्जन ब्लूटूथ 5.0 सपोर्ट के साथ आएगा। नए क्रोमकास्ट की कीमत करीब 30 डॉलर या करीब 2,400 रुपये होने का अनुमान है। इस 6 अक्टूबर को गूगल द्वारा पिक्सल 7 सीरीज स्मार्टफोन और पिक्सल वॉच के साथ पेश किया जा सकता है। इसके स्टिक में एवी1 कोडेक कम्पैटिबलैटी शामिल होने की भी उम्मीद है। रॉयल्टी-फ्री कोडेक वीडियो की क्वालिटी खराब किए बिना बहुत कम बैंडविड्थ का उपयोग करते हुए कंटेंट के स्ट्रीमिंग की अनुमति देता है।

अडानी और बेजोस की आय में बड़ी ?गिरावट

- अडानी की नेटवर्थ बढ़कर 1.58 अरब डॉलर और बेजोस की 150 अरब डॉलर

नई दिल्ली। अमेरिकी शेयर बाजार में मंगलवार को आई भारी गिरावट से एलन मस्क और जेफ बेजोस को तगड़ा झटका लगा। दुनिया के सबसे बड़े रईस और इलेक्ट्रिक कार कंपनी टेस्ला के सीईओ मस्क की नेटवर्थ में 8.35 अरब डॉलर की गिरावट आई। उनकी नेटवर्थ अब 256 अरब डॉलर रह गई है। इसी तरह ऐमजॉन के फाउंडर बेजोस की नेटवर्थ 9.84 अरब डॉलर कम होकर 150 अरब डॉलर रह गई। दूसरी ओर एशिया और भारत के सबसे बड़े रईस गौतम अडानी की नेटवर्थ मंगलवार को 1.58 अरब डॉलर की तेजी आई और यह 147 अरब डॉलर पहुंच गई। इस तरह अडानी अब बेजोस को नंबर दो की कुर्सी से उतारने के करीब पहुंच गए हैं। दोनों की नेटवर्थ में अब केवल तीन अरब डॉलर का अंतर रह गया है। अडानी दुनिया के अमीरों की सूची में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। वह फरवरी में मुकेश अंबानी को पछाड़कर एशिया के सबसे बड़े रईस बने थे। अप्रैल में उनकी नेटवर्थ 100 अरब डॉलर को पार कर गई और पिछले महीने वह माइक्रोसॉफ्ट के बिल गेट्स को पछाड़कर दुनिया के अमीरों की सूची में चौथे नंबर पर पहुंचे थे। हाल में वह फ्रांस के दिग्गज कारोबारी बर्नार्ड आरनॉल्ट को पछाड़कर तीसरे स्थान पर पहुंच गए। अब वह बेजोस के काफी करीब पहुंच गए हैं। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक 60 साल के अडानी की नेटवर्थ 147 अरब डॉलर पहुंच गई है। इस साल अडानी की नेटवर्थ में 70.3 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है। ऑयल और नेचुरल गैस की कीमतों में उछाल से अडानी की नेटवर्थ में उछाल आई है। दूसरी ओर मस्क और बेजोस की नेटवर्थ में इस साल गिरावट आई है। मस्क की नेटवर्थ 13.9 अरब डॉलर की गिरावट आई है जबकि बेजोस की नेटवर्थ 42.2 अरब डॉलर घटी है।

आयुष्मान खुराना को याद आ रहे हैं पुराने दिन

आयुष्मान खुराना को याद आ रहे हैं पुराने दिन बॉलीवुड एक्टर आयुष्मान खुराना अपनी निजी जिंदगी में डाउन टू अर्थ हैं। अपनी फिल्मों में दमदार एक्टिंग से फिल्म को हिट बनाने का माद्दा रखने वाले आयुष्मान खुराना सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहते हैं और अपनी फिल्म और निजी जिंदगी से जुड़ी फोटों शेयर करते रहते हैं। हाल ही में उन्होंने अपने पुराने दिनों को याद करते हुए एक पोस्ट शेयर किया है, आयुष्मान खुराना ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी एक तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में आयुष्मान शर्टलेस हैं। उनकी दाढ़ी बढ़ी हुई है और वह उसमें बेहद उदास नजर आ रहे हैं। बॉलीवुड एक्टर आयुष्मान खुराना अपनी निजी जिंदगी में डाउन टू अर्थ हैं। अपनी फिल्मों में दमदार एक्टिंग से फिल्म को हिट बनाने का माद्दा रखने वाले आयुष्मान खुराना सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहते हैं और अपनी फिल्म और निजी जिंदगी से जुड़ी फोटों शेयर करते रहते हैं। हाल ही में उन्होंने अपने पुराने दिनों को याद करते हुए एक पोस्ट शेयर किया है, आयुष्मान खुराना ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी एक तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में आयुष्मान शर्टलेस हैं। उनकी दाढ़ी बढ़ी हुई है और वह उसमें बेहद उदास नजर आ रहे हैं। आयुष्मान खुराना ने अपने पोस्ट में लिखा, 'मैं अपने लंबे बालों को मिस करता हूं। मैं अपने बालों को बांधने के लिए रबर बैंड लगाता था उसे भी मिस करता हूं। मैं उन दिनों को मिस करता हूं जब घंटों सोता रहता था। मुझे उन दिनों की याद आती है जब मैं अपने होमटाउन की झील के किनारे लंबी सैर पर जाता था। मुझे अपनी पसंदीदा गानों की प्ले लिस्ट की याद आती है, जिन्हें मैं जब खुश होता था तो सुनता था। लेकिन आगे बढ़ते रहना ही जिंदगी की सच्चाई है'। आयुष्मान खुराना के इस पोस्ट पर फैंस लगातार रिएक्शन दे रहे हैं। किसी ने तारीफ की तो किसी ने उनके पसंदीदा गानों की प्लेलिस्ट भी शेयर करने की मांग कर डाली। वर्कफ्रंट की बात करें तो आयुष्मान खुराना के पास कई फिल्में है जो अगले दो तीन महीनों में रिलीज होने वाली है।

श्रद्धा कपूर के साथ कॉमेडी फिल्म में काम करेंगे राजकुमार राव

श्रद्धा कपूर के साथ कॉमेडी फिल्म में काम करेंगे राजकुमार राव बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव, श्रद्धा कपूर के साथ कॉमेडी फिल्म में काम करते नजर आ सकते हैं। राजकुमार राव इस समय अपनी अगली फिल्म रूही को लेकर सुर्खियों में हैं। राजकुमार राव ने मुदस्सर अजीज की कॉमेडी फिल्म भी साइन कर ली है। बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव, श्रद्धा कपूर के साथ कॉमेडी फिल्म में काम करते नजर आ सकते हैं। राजकुमार राव इस समय अपनी अगली फिल्म रूही को लेकर सुर्खियों में हैं। राजकुमार राव ने मुदस्सर अजीज की कॉमेडी फिल्म भी साइन कर ली है। बताया जा रहा है कि पहले यह फिल्म अक्षय कुमार को ऑफर हुयी थी लेकिन डेटस नहीं होने की वजह से अक्षय ने यह फिल्म छोड़ दी। फिल्म में अक्षय कुमार की जगह अब राजकुमार राव नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में राजकुमार राव के साथ श्रद्धा कपूर नजर आ सकती है। बताया जा रहा है कि राजकुमार जल्द ही फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर देंगें। माना जा रहा है कि फिल्म इसी साल या 2022 की शुरूआत में रिलीज हो सकती है। इस फिल्म को जैकी भगनानी प्रोड्यूस करने वाले हैं।

काजोल ने कॉफी बहुत पसंद होने की बात साझा की

अभिनेत्री काजोल ने बुधवार को कॉफी को बहुत प्यार करने की अपनी कहानी शेयर की। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, एक समय की बात है, जहां एक लड़की रहती थी। उसे कॉफी बहुत पसंद थी .. और वे खुशी-खुशी रहते थे। समाप्त। काजोल इंस्टाग्राम पर अपने प्रशंसकों और फॉलोअर्स से हमेशा मस्ती करती रहती हैं। हाल ही में पोस्ट की गई एक अन्य स्टोरी में अभिनेत्री ने लिखा, मजबूत लोग भी टूट जाते हैं, वे बस चुप रहते हैं, पुनर्निर्माण करते हैं और चलते रहते हैं।

सुनयना फौजदार ने बताई दया बेन के वापसी को लेकर बात

टेलीविज़न इतिहास के सबसे मशहूर कॉमेडी सीरियल तारक मेहता का उल्टा चश्मा को 13 साल हो चुके है। ये शो आज भी लोगो को काफी भाता है। बीते कुछ समय से शो के हालाँकि कई किरदार शो को छोड़ कर जा चुके है। हालाँकि इससे शो को कुछ खास फर्क नहीं पड़ा है। हल ही में नेहा मेहता के किरदार अंजलि को रिप्लेस करने वाली सुनैना फौजदार ने दयाबेन के वापसी को लेकर बात की। साल 2017 के बाद से दिशा शो मे वापस नहीं आई है। हालाँकि कुछ सीन के जरिये एकाध बार उन्हें देखा गया है, हालाँकि इसके बावजूद भी उनके वापस को लेकर कोई स्पष्ट बात अब तक मालूम नहीं चला है। दिशा ने उस समय शो को प्रेगनेंसी के कारन से छोड़ा था। दिशा के शो छोड़ने के बाद मेकर्स कई बार उन्हें वापस लाने की कोशिश किये लेकिन सफलता किसी को नहीं मिला। हालाँकि असित मोदी ने भी दिशा का कोई रिप्लेसमेंट नहीं ढूंढा। सुनैना ने कहा की, काश मुझे इस सवाल का जवाब मालूम होता। मैं दिशा से कभी नहीं मिली लेकिन उनसे मिलना चाहूंगी। हमे अब तक उनकी वापस को लेकर कोई बात नहीं बताई गयी है। हम में से किसी को इस बात की जानकरी नहीं है। हालाँकि शायद असित सर के पास इसका जवाब हो हम खुद भी कई बार एक दूसरे से पूछ करते है। किसी को कुछ नहीं मालूम है। इसके अलावा सुनैना ने कहा की शो सभी का है और यही इसकी खास बात है।

'राम सेतु' में अक्षय कुमार के साथ ये दो खूबसूरत एक्ट्रेस आएगी नजर, दिवाली पर होगी रिलीज

अभिनेता अक्षय कुमार की अपकमिंग फिल्म 'राम सेतु' काफी दिनों से चर्चा में हैं। अब इस फिल्म को लेकर एक नई अपडेट सामने आई है। हालिया रिपोर्ट की मानें तो फिल्म में लीड एक्ट्रेस के रोल में जैकलीन फर्नांडीज और नुसरत भरूचा का नाम फाइनल हो गया है। लेकिन अभी इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

बता दें कि एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस अक्षय कुमार के साथ 'ब्रदर्स', 'हाउसफुल 2' और 'हाउसफुल 3' फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। जबकि नुसरत पहली बार अक्षय के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करती नजर आएंगी। फिल्म 'राम सेतु' की शूटिंग यूपी के 'अयोध्या' में की जाएगी। फिल्म का निर्देशन अभिषेक शर्मा कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, फिल्म को अगले साल 2022 में दिपावली के मौके पर रिलीज किया जा सकता है। अभिनेता अक्षय कुमार ने पिछले साल दिपावली के मौके पर फिल्म का पोस्टर शेयर कर फिल्म के बारे में जानकारी दी थी। उन्होंने ट्विटर पर पोस्टर शेयर कर लिखा, 'इस दीपावली हम सभी भारतीयों की चेतना में एक ऐसे सेतु का निर्माण करेंगे जो भगवान राम के आदर्शों को युगों-युगों तक जीवित रखने का प्रयास करेंगे। जो आने वाली पीढ़ियों को जोड़ेगा, इस विशाल कार्य में हमारा छोटा सा संकल्प राम सेतु।' वर्कफ्रंट की बात करें तो अक्षय कुमार इस साल कई फिल्मों में नजर आने वाले हैं। वह आगामी फिल्म 'बच्चन पांडे' की जैसलमेर में शूटिंग कर रहे हैं। इसके अलावा अभिनेता जल्द ही रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनी फिल्म 'सूर्यवंशी' में नजर आने वाले हैं।

अभिनेत्री आलिया भट्ट ने लॉन्च किया अपना इटरनल सनशाइन प्रोडक्शंस हाउस

अभिनेत्री आलिया भट्ट ने लॉन्च किया अपना इटरनल सनशाइन प्रोडक्शंस हाउस फिल्म अभिनेत्री आलिया भट्ट ने अपना खुद का प्रोडक्शन हाउस इटरनल सनशाइन प्रोडक्शंस लॉन्च कर दिया है। इसकी आधिकारिक घोषणा के साथ ही आलिया ने अपनी कंपनी का लोगो इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया है। फिल्म अभिनेत्री आलिया भट्ट ने अपना खुद का प्रोडक्शन हाउस इटरनल सनशाइन प्रोडक्शंस लॉन्च कर दिया है। इसकी आधिकारिक घोषणा के साथ ही आलिया ने अपनी कंपनी का लोगो इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया है। उसने लिखे पोस्ट में कहा और मुझे यह घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है. प्रोडक्शन! इटरनल सनशाइन प्रोडक्शंस। हम आपको कहानियां सुनाएंगे. खुशी भरी कहानियां, हर तरह की कहानियां। सच्ची कहानियां, टाइमलेस कहानियां। आलिया भट्ट की बहन शाहीन ने भी अपने इंस्टाग्राम पेज पर प्रोडक्शन हाउस के बारे में पोस्ट किया है।2019 के बाद से आलिया के प्रोडक्शन हाउस के बारे में खबरें आ रही थी लेकिन अभी तक इस बारे में कुछ भी आधिकारिक रूप से नहीं कहा गया था।

वेब श्रृंखला चक्रव्यूह एक महत्वपूर्ण शो हैः रूही सिंह

अभिनेत्री रूही सिंह ने आगामी वेब श्रृंखला चक्रव्यह : एन इंस्पेक्टर वीरकर क्राइम थ्रिलर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वह कहती हैं कि इस शो में उन्हें एक बहु-चरित्र वाला किरदार निभाने का मौका मिला है। वह इस तरह की भूमिका निभाना चाहती थीं। रूही ने कहा, मुझे विभिन्न प्रकार की भूमिकाओं को एक्सप्लोर करना पसंद है और चक्रव्यूह ने मुझे सही अवसर दिया है। इस वेब सीरीज में, मैं एक ऐसी लड़की की भूमिका निभा रही हूं, जिसे अचानक डार्क वेब की भयावहता का सामना करना पड़ता है और वह उससे बाहर निकलने की पूरी कोशिश करती है। वह बहुत कठिनाई, निराशा और भावनात्मक उथल-पुथल का अनुभव करती है। उन्होंने कहा, यह शो एक ऐसे विषय को प्रकाश में लाता है जो बहुत वास्तविक है, लेकिन दिखाया या बोला नहीं जाता है। मुझे लगता है कि चक्रव्यूह : एक इंस्पेक्टर वीरकर क्राइम थ्रिलर वर्तमान समय में बनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण शो है। शो में प्रतीक बब्बर नायक की भूमिका निभाते दिखेंगे, जबकि सिमरन कौर मुंडी को शो में उनकी प्रेमिका के रूप में दिखाया गया है। साजित वारियर द्वारा निर्देशित, इस शो में आशीष विद्यार्थी, शिव पंडित, गोपाल दत्त और दिवंगत आसिफ बसरा भी हैं। यह एमएक्स प्लेयर पर 12 मार्च को रिलीज होगी।

जानिए महिलाओं के लिए क्यों फायदेमंद होती है गाजर

इस बात में कोई संदेह नहीं है कि महीने के वो दिन हर महिला के लिए बहुत तकलीफदेह होते हैं। ज्यादातर महिलाओं को पीरियड्स के दौरान तेज दर्द, चिड़चिड़ेपन और अनियमित स्राव की शिकायत रहती है। इसके साथ ही कइयों को पीठ दर्द और पैर दर्द का सामना करना पड़ता है तो गाजर का जूस पीना आपके लिए बहुत फायदेमंद रहेगा। अगर जूस न पीना चाहें तो गाजर खाना भी उतना ही फायदा देगा। किसी भी रूप में गाजर का सेवन करना पीरियड्स के दौरान फायदेमंद रहता है। ये ब्लड-फ्लो को ठीक रखता है, दर्द में राहत देता है और चिड़चिड़ाहट को भी कम करता है.....

आयरन से भरपूर

पीरियड्स के दौरान खून निकलने से अनीमिया की समस्या भी हो सकती है। ऐसे में आयरन की मात्रा लेते रहना फायदेमंद रहेगा। यह एक सबसे प्रमुख कारण है जिसकी वजह से पीरियड्स में गाजर खाने की सलाह दी जाती है।

बीटा कैरोटीन से भरपूर

पीरियड्स के दौरान बीटा कैरोटीन से भरपूर चीजों का सेवन करना फायदेमंद रहता है। ये हैवी ब्लड फ्लो को नियंत्रित करने का काम करता है।

दर्द से आराम दिलाने में

गाजर न केवल ब्लड फ्लो को नियंत्रित करने का काम करता है बल्कि इस दौरान होने वाले दर्द में भी राहत दिलाता है। साथ ही मूड को भी ठीक रखता है।

मुंह की दुर्गंध से शर्मिंदा होना छोड़े और जानिए क्यों आती हैं बदबू

रोजाना ब्रश करने के बावजूद भी कुछ लोगों के मुंह से दुर्गंध आती है। मुंह की दुर्गंध की वजह से उन्हें कई बार शर्मिंदगी का भी सामना करना पड़ता है। ऐसा अक्सर मुंह के बैक्टीरिया की वजह से होता है। इसके अलावा कुछ गलत आदतों और किसी बीमारी की वजह से भी मुंह में से बदबू आने लगती है। आइए जानिए ऐसे ही कुछ कारण जिस वजह से मुंह से दुर्गंध आती है।

1. एल्कोहल का सेवन

जो लोग शराब का अधिक सेवन करते हैं उनमें मुंह की दुर्गंध की समस्या देखी जाती है। शराब पीने से पाचन क्रिया खराब हो जाती है जो सांसों की बदबू का कारण बनती है।

2. तनाव

अधिक तनाव लेने की वजह से भी डाइजेशन सिस्टम पर बुरा प्रभाव पड़ता है जिस वजह से मुंह से दुर्गंध आने लगती है।

3. गले में इंफैक्शन

मौसम बदलने के साथ ही गले में इंफैक्शन और खांसी की समस्या हो जाती है। इंफैक्शन की वजह से मुंह में बैक्टीरिया पैदा हो जाते हैं जिस वजह से सांसों में से बदबू आने लगती है।

4. लीवर या किडनी की बीमारी

किसी बड़ी बीमारी की वजह से भी मुंह से दुर्गंध आने लगती है जैसे लीवर या किडनी में सूजन, एसिडिटी और डायबिटीज।

महानगरों में बाढ

हर साल 1,600 से अधिक लोगों की मौत बाढ़ के कारण होती है, जबकि 3.2 करोड़ लोग प्रभावित होते हैं। हर साल 92 हजार पशु अपनी जान गंवा देते हैं और 70 लाख हेक्टेयर जमीन प्रभावित होती है। साथ ही 5,600 करोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान होता है। यह सब हमारी विकास की अंधी दौड़ के कारण हो रहा है। प्राकृतिक रूप से माना जाता है कि बाढ़ कम समय में ज्यादा बारिश के कारण आती है। लेकिन शहरों के मामले में और भी कारण हैं। देश की व्यावसायिक राजधानी मुंबई हो या कोई और महानगर वहां बाढ़ आने की वजह है अनियंत्रित विकास, नालों, नदियों के किनारे निर्माण, नदियों, नालों में कचरे का प्रवाह, जल निकासी मार्ग बाधित, सीवरों और नालों की सफाई में लापरवाही और भ्रष्टाचार, झीलों और तालाबों का संरक्षण नहीं, पानी की निकासी के खराब इंतजाम, बाढ़ नियंत्रण के खराब इंतजाम और बांधों का निर्माण और उनमें जलभराव-निकासी की योजना में खामी आदि। इन सभी वजहों से एक बार फिर बेंगलुरु की जनता बाढ़ से हलाकान है। बेंगलुरु में पिछले एक हफ्ते से हो रही भारी बारिश के चलते बाढ़ जैसे हालात हो गए हैं। यहां के कई इलाकों में इतना पानी भर गया है कि लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए नावों की मदद ली जा रही है। इससे पहले, 30 अगस्त को शहर में भारी बारिश हुई थी। तब भी ऐसे ही हालात बने थे। भारी बारिश का असर बेंगलुरु एयरपोर्ट पर भी देखा गया। एयरपोर्ट के मेन गेट पर भी पानी भर गया। कई लोगों ने ट्वीट कर मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई पर निशाना साधा। लोगों ने कहा कि अब बेंगलुरु यूरोपीय स्तर का शहर हो गया है। यहां के इलाके वेनिस जैसे दिखाए देने लगे हैं। यानी कूल मिलाकर देखा जाए तो हमारे शहर में बाढ़ के लिए हम खुद दोषी हैं। 20 प्रतिशत मौतें भारत में हमारे शहरों का इस तरह अनियंत्रित विकास हुआ है इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि यहां 2-4 घंटे की बारिश में ही सड़कें तबालाब हो जाती हैं, कॉलोनियों में पानी भर जाता है, नाले उफन जाते हैं और घरों में पानी भर जाता है। यानी बाढ़ के हालात निर्मित हो जाते हैं। यही कारण है कि दुनियाभर में बाढ़ की वजह से होने वाली मौतों में से 20 प्रतिशत भारत में ही होती हैं। शहरी क्षेत्रों में जलभराव तीव्र और लम्बे समय तक जारी वर्षा के कारण होता है। खासतौर से तब जब बारिश में गिरा पानी शहर की जलनिकासी तंत्र की क्षमता को पार कर जाता है। अनियोजित निर्माण, शहरी नालों में ठोस गंदगी और जलवायु परिवर्तन के चलते बढ़ती बारिश, दुनिया भर में शहरी बाढ़ के जाने पहचाने कारणों में से कुछ सामान्य कारण हैं। हर शहर के विकास के लिए एक ढांचागत नीति होती है लेकिन भारत में इसका पालन कम ही होता है। शहरीकरण की बढ़ती प्रवृत्ति और शहरों में बढ़ती जनसंख्या के कारण अंधाधुंध निर्माण हो रहे हैं। लगभग सभी शहरों पर जनसंख्या का दबाव ऐसा पड़ रहा है कि बाढ़ क्षेत्र में बस्तियां बसने लगी हैं। बड़ी संख्या में पुल, ओवरब्रिज समेत मेट्रो परियोजनाओं का निर्माण हो रहा है वह मौजूदा जलनिकासी मार्गों में किया जा रहा है। उचित इंजीनियरिंग डिजाइनों जैसे केंटिलीवर निर्माण आदि का सहारा लेकर ड्रेनेज सिस्टम की रक्षा की जा सकती है। जमीन सिर्फ मकान बनाने के लिए नहीं है, पानी के लिए भी है। ताल-तलैये और पोखर शहर के सोख्ते की तरह हैं। बाढ़ नियंत्रण के इन परंपरागत तरीके के प्रति उपेक्षा ने स्थिति को और गंभीर बनाया है। जलवायु परिवर्तन के चलते बेमौसम या मानसून के दौरान जब भारी बारिश होती है तो पानी के निकलने का कोई स्थान नहीं बचता है। लिहाजा बाढ़ और विनाश अवश्यंभावी हो जाते हैं।

भारत जोड़ो यात्रा बनाम कांग्रेस का जन आंदोलन

सनत जैन

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा राष्ट्रीय स्तर पर चर्चाओं में आ गयी है। कन्याकुमारी से शुरू हुई यह यात्रा कश्मीर तक जाएगी। इस भारत जोड़ो यात्रा का नेतृत्व भाजपा के (पप्पू) राहुल गांधी के नेतृत्व में हो रही है। इस यात्रा का केंद्र बिंदु या तो राहुल गांधी हैं, या जिन स्थानों से पदयात्रा गुजर रही है। वहां के लोग इस पदयात्रा से जुड़ रहे हैं। भारत जोड़ो यात्रा के छटवें दिन यह समाचार में आने लगा है। भारत जोड़ो यात्रा एक जन आंदोलन के रूप में परिवर्तित होती जा रही है।

कांग्रेस अपनी स्थापना के समय से ही जन आंदोलन की पार्टी थी। कांग्रेस की विचारधारा सर्वहारा को साथ लेकर चलने की थी। कांग्रेस ने अंग्रेजों की गुलामी से स्वतंत्रता पाने और अंग्रेजी कानूनों के विरोध में जन आंदोलन खड़ा किया था। अंग्रेजों द्वारा बनाए गए वह कानून, जो भारतीय नागरिकों का शोषण और उत्पीड़न कर रहे थे। उस शोषण के खिलाफ कांग्रेस ने जन आंदोलनों का नेतृत्व किया था। महात्मा गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी ने जो जन आंदोलन खड़े किए थे। उसके कारण जन जन की पार्टी कांग्रेस बन गई थी।

उत्तर - दक्षिण, पूर्व - पश्चिम में कांग्रेस एक जन आंदोलन की पार्टी के रूप में स्थापित हुई। इतिहास में नजर डालें तो स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान जो भी राजनीतिक दल बने। वह विचारधारा के आधार पर बने। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान मुस्लिम लीग और हिंदू महासभा ने धार्मिक आधार पर अपना आधार बनाया। फूट डालो और राज करो की अंग्रेजों की नीति का स्वतंत्रता आंदोलन को तोड़ने के अपेक्षित परिणाम नहीं मिले। उसके बाद सांस्कृतिक संगठन के नाम से हिंदू विचारधारा को लेकर एक शक्ति का उदय राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ के रुप में हुआ। अंग्रेजो के खिलाफ चल रहे जन आंदोलन में कांग्रेस का प्रवाभ कम नहीं हुआ। स्वतंत्रता आंदोलन और अक्रामक हो गया। मुस्लिम, हिंदू, अल्पसंख्यक तथा आदिवासी भी इस लड़ाई में शामिल हो गए। अंग्रेजों के बनाए हुए कानून आदिवासियों और आम जनता को रास नहीं आ रहे थे। लोगों का शोषण हो रहा था। इसका नेतृत्व करने का काम महात्मा गांधी और उस समय के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने स्थानीय स्तर पर बड़े आक्रमक तरीके से आंदोलन के माध्यम से जन जागृति फैलाने का काम किया।

स्वतंत्रता आंदोलन के बाद जो नेता स्वतंत्रता के पश्चात सत्तासीन हुए थे। उन नेताओं ने ईमानदारी के साथ स्वतंत्र भारत में नागरिकों के मौलिक अधिकार सुरक्षित रहें। इसके लिए लिखित संविधान की संरचना की। ब्रह्मा-विष्णु -महेश की आदि शक्ति के तर्ज पर विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका की स्थापना हुई। भारतीय नागरिकों के मौलिक अधिकार सुरक्षित रखते हुए नागरिकों को अधिकार और कर्तव्य बोध से जोड़ा गया। न्यायपालिका के ऊपर संविधान एवं नागरिकों के मौलिक अधिकारों के संरक्षण की जिम्मेदारी सौंपी गई। 1980 के दशक तक भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था फलती फूलती रही। 1975 में आपातकाल का एक दौर भी आया। न्यायपालिका के लिए कई बार सत्ता के उच्च पदों पर बैठे हुए, लोगों के बारे में फैसला करने की जिम्मेदारी आई। इसमें विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका का औचित्य साबित हुआ। जिससे भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था मजबूत हुई। 1980 के बाद से जैसे-जैसे केंद्र में गठबंधन की सरकारों का दौर आया। सत्ता के लिए राजनैतिक दलों में बेमेल समझौते होने लगे। दलबदल जैसी बीमारियां सत्ता पाने के लिए राजनीतिक दलों के नेताओं में देखने को मिलने लगी। उसके बाद से राजनीतिक दलों में एकाधिकार की प्रवृत्ति बढ़ने लगी। राजनीतिक दल के संगठनों में एकाधिकार की प्रवृत्ति बढ़ने लगी संगठन कमजोर होने लगे। इसमें सबसे ज्यादा क्षरण कांग्रेस पार्टी में हुआ।

राज्यों के क्षेत्रीय छत्रपों ने केंद्रीय नेतृत्व को चुनौती देने का काम शुरू किया। इंदिरा गांधी की शहादत के बाद

कांग्रेस में नेतृत्व का अभाव हुआ। सभी क्षेत्रीय नेता अपनी अपनी ताकत का एहसास कराकर सत्ता में अपनी भागीदारी तय करने लगे। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की शहादत के बाद कांग्रेस का नेतृत्व नेताओं पर आधारित हो गया था। सब अपनी ढपली और अपना राग बजा रहे थे। संगठन नेपथ्य पर चला गया। ऐसी स्थिति में सारे कांग्रेसियों ने मिलकर एक बार फिर सोनिया गांधी को पार्टी में सक्रिय किया। 2004 में कांग्रेस ने लोकसभा का चुनाव भी जीत लिया। प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व में कांग्रेस की गठबंधन सरकार बनी। लेकिन कांग्रेस में वैचारिक और संगठन की दृष्टि से शून्यता बनी रही। प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह एक शिक्षाविद थे। उन्हें राजनीति के दांवपेच नहीं आते थे। सोनिया गांधी भी राजनीति के दांव पेच नहीं जानती थी। कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने सत्ता की भागीदारी पर ध्यान रखा। किसी भी नेता ने कभी संगठन को लेकर कोई काम नहीं किया। उल्टे गांधी परिवार का समर्थन पाकर सभी ने सत्ता का सुख भोगा।

पिछले 30 सालों में कांग्रेस पार्टी जनता से शनै शनै दूर होती चली गई। कांग्रेस पार्टी का संगठन धीरे-धीरे खत्म होता चला गया। नेताओं ने कागजों पर संगठन बना रखा था। जनता से कोई सरोकार नहीं था। कांग्रेस पार्टी को दीमक की तरह उसके नेता ही खा - खाकर कांग्रेस को खत्म करने का काम कर रहे थे। भला हो प्रधानमंत्री मोदी जी का, जिन्होंने कांग्रेस को पुनर्जीवित करने का काम अप्रत्यक्ष रूप से कर दिया। कांग्रेस के परजीवी नेता सत्ता के लोभ में अथवा सत्ता के माध्यम से जो अवैध कमाई कर रखी थी। उसको निशाने पर लेकर प्रधानमंत्री ने कांग्रेस नेताओं पर तगड़े हमले किए। जिसके कारण कांग्रेस के नेता अपने वजूद को बनाए रखने के लिए प्रत्यक्ष - अप्रत्यक्ष रुप से केन्द्र की सत्ता से जुड़ गए। सत्ता में अपनी पकड़ बनाए रखने के लिए कांग्रेसी छोड़कर धीरे-धीरे बाहर होते चले गए

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा नेता विहीन है। कांग्रेस नेतृत्व ने पहली बार जनता से जुड़े हुए मुद्दों को उठाकर भारत जोड़ो यात्रा में स्थानीय जनता को शामिल किया है। भारत जोड़ो यात्रा को एक जन आंदोलन के रूप में परिवर्तन करने का काम राहुल कर रहे हैं। उसने आजादी के पूर्व का दृश्य एक बार फिर सामने ला दिया है। कश्मीर से कन्याकुमारी तक कांग्रेस महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरू को लेकर पहचानी जाती थी। स्वतंत्रता के पश्चात राष्ट्रीय स्तर पर गांव गांव में संगठन था। राहुल गांधी की इस पदयात्रा में एक साथ 3 पीढ़ियों का जुड़ाव कांग्रेस पार्टी से हो रहा है। सबसे अच्छी बात यह है, कि कांग्रेस नेता मुक्त पार्टी हो रही है। कांग्रेस संगठन को मजबूत कर रही है। भारत जोड़ो पदयात्रा से एक बार फिर कांग्रेस को पुनर्जीवित करने का मौका राहुल गांधी को मिला है। निश्चित रूप से पिछले 8 वर्षों में उन्होंने जिस तरह की चुनौतियों का सामना किया है। उससे वह एक मजबूत राजनेता की छवि के रूप में अब सामने आए हैं। पिछले 8-9 वर्षों में उनकी शहजादे से लेकर पप्पू तक की छवि बनी थी। वर्तमान स्थिति में सौ सुनार की और भारत जोड़ो यात्रा एक लोहार की चोट की तरह है। भारतीय जनता पार्टी ने जिस हल्के तरीके से भारत जोड़ो यात्रा को लिया था। अब भाजपा को भी लगता है कि इससे राजनीतिक समीकरण बदलेंगे। 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के लिए चुनौतियां भी बढ़ेंगी। वही सारे देश में एक राष्ट्रीय नेता के रूप में राहुल गांधी ने कांग्रेस और अपनी पहचान को समानांतर बनाने का प्रयास किया है।

जीवन एक क्रिकेट मैच

प्रातिकारी संत तरुणसागरजी ने क्रिकेट की व्याख्या करते हुए कहा कि जीवन एक क्रिकेट है, धरती की विराट पिच पर समय बॉलिंग कर रहा है। शरीर बल्लेबाज है, परमात्मा के इस आयोजन पर अम्पायर धर्मराज हैं। बीमारियाँ फील्डिंग कर रही हैं, विकेटकीपर यमराज हैं, प्राण हमारा विकेट है, जीवन एक क्रिकेट है। इस डे-नाइट मैच में हमें रचनात्मकता के जलवे दिखाने हैं और साँसों के सीमित ओवर में सृजन के रन बनाने हैं। गिल्लियाँ उड़ने का अर्थ साँस का टूट जाना है, एलबीडब्ल्यू यानी हार्ट-अटैक। दुर्घटना में मरने वाला रन आउट कहलाता है और सीमा पर शहीद होने वाला कैच आउट कहा जाता है। आत्महत्या का अर्थ हिट विकेट है और हत्या स्टम्प आउट हो जाना है। कभी-कभी कुछ आप्राम्क खिलाड़ी जल्दी ही पैवेलियन लौट जाते हैं, लेकिन पारी ऐसी खेलते हैं कि कीर्तिमान बना जाते हैं, सबका अपना-अपना रन रेट है, जीवन एक क्रिकेट है। घर आए अतिथि को भोजन के लिए पूछ करो, भोजन के लिए नहीं पूछ सकते तो पानी के लिए पूछ करो, पानी का नहीं पूछ सकते तो बैठने के लिए आसन पूछा करो। बैठने के लिए आसन भी नहीं दे सकते तो दो मीठे बोल बोला करो। दो मीठे बोल नहीं बोल सकते, मुस्कुराहट भी नहीं दे सकते तो चुल्लू भर पानी में डूब मरो। उक्त प्रेरक विचार उन्होंने प्रवचनमाला में व्यक्त किए। हाथों में मोबाइल हो न हो, चेहरे पर स्माइल हर हाल में होना चाहिए। आदमी स्मार्ट मोबाइल से नहीं, मुस्कुराहट से बनता है। हँसना पुण्य है और हँसाना परमपुण्य है। जब आप हँसते हैं तो आप ईश्वर की आराधना करते हैं। जब आप किसी रोते हुए को हँसाते हो तो ईश्वर आपकी आराधना करता है। दुनिया के सामने रोने की आवश्यकता नहीं है।

भारत के स्वत्व की पहचान है हिन्दी

डॉ. वंदना सेन

स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव में भारत के स्वत्व को पुनर्स्थापित करने का जिस प्रकार से प्रयास किया जा रहा है, उसके कारण निश्चित ही आम जनमानस में यह धारणा बनी है कि भारत की विरासत गौरवमयी है। भारत में विश्व गुरू बनने की क्षमता आज भी विद्यमान है। लेकिन हमें यह भी बोध होना चाहिए कि भारत को विश्व गुरु का दर्जा देने के लिए क्या प्रयास करना चाहिए। इन प्रयासों में किसको शामिल करना चाहिए? स्वाभाविक रूप से इसका उत्तर यही है कि भारत की उन पहचान के प्रतीकों को समृद्ध किया जाना चाहिए, जिससे भारत का स्वत्व जुड़ा हुआ है। इसका अध्ययन करने से ज्ञात होता है कि हिन्दी भाषा भी भारत के स्वत्व से गहरे तक संबंध रखती है। हिन्दी हिन्दुस्तान की पहचान है। यह सर्वकालिक सत्य है कि कोई भी देश अपनी भाषा में ही अपने मूल स्वत्व को प्रकट कर सकता है। निज भाषा देश की उन्नति का मूल होता है। निज भाषा को नकारना अपनी संस्कृति को विस्मरण करना है। जिसे अपनी भाषा पर गौरव का बोध नहीं होता, वह निश्चित ही अपनी जड़ों से कट जाता है और जो जड़ों से कट गया, उसका अंत निश्चित हो जाता है। भारत का परिवेश निःसंदेह हिंदी से भी जुड़ा है। इसलिए यह कहा जा सकता है कि हिंदी भारत का प्राण है, हिंदी भारत का स्वाभिमान है, हिंदी भारत का गौरव गान है। भारत के अस्तित्व का भान कराने वाले प्रमुख बिंदुओं में हिंदी का भी स्थान है। आज हम जाने अनजाने में जिस प्रकार से भाषा के साथ मजाक कर रहे हैं, वह अभी हमें समझ में नहीं आ रहा होगा, लेकिन भविष्य के लिए यह अत्यंत दुखदायी होने वाला है।

वर्तमान में प्रायः देखा जा रहा है कि हिंदी बोलचाल में अंग्रेजी और उर्दू शब्दों का समावेश बेखटके हो रहा है। इसे हम अपने स्वभाव का हिस्सा मान चुके हैं, लेकिन हम विचार करें कि क्या यह हिंदी के शब्दों की हत्या नहीं है। हम विचार करें कि जब भारत में अंग्रेजी नहीं थी, तब हमारा देश किस स्थिति में था। हम अत्यंत समृद्ध थे, इतने समृद्ध कि विश्व के कई देश भारत की इस समृद्धि से जलन रखते थे। इसी कारण विश्व के कई देशों ने भारत की समृद्धि को नष्ट करने का तब तक षड्यंत्र किया, जब तक वे सफल नहीं हो गए। हम अंग्रेजी को केवल एक भाषा के तौर पर स्वीकार करें। भारत के लिए अंग्रेजी केवल एक भाषा ही है। जब हम हिंदी को मातृभाषा का दर्जा देते हैं तो यह भाव हमारे स्वभाव में प्रकट होना चाहिये। भाषा के मामले में हम अत्यंत समृद्ध हैं, लेकिन कभी-कभी यह भी देखा जाता है कि राजनीतिक कारणों के प्रभाव में आकर कुछ लोग हिंदी का विरोध करते हैं। इस विरोध से जन सामान्य का कुछ भी लेना देना नहीं होता, लेकिन ऐसा प्रचारित करने का प्रयास किया जाता है, जैसे पूरा समाज ही विरोध कर रहा हो। जहां तक राष्ट्रीयता का सवाल आता है तो हर देश की पहचान उसकी भाषा भी होती है। हिन्दी हमारी राष्ट्रीय पहचान है। हमारी मातृभाषा कोई भी हो सकती है, लेकिन राष्ट्रीय पहचान हमारी राष्ट्रभाषा है। आज पूरा भारत राष्ट्रीय भाव की तरफ कदम बढ़ा रहा है। हिन्दी के प्रति प्रेम प्रदर्शित हो रहा है। आज हमें इस बात पर भी मंथन करना चाहिए कि भारत में हिंदी दिवस मनाने की आवश्यकता क्यों पड़ रही है। भारत में अंग्रेजी दिवस और उर्दू दिवस क्यों नहीं मनाया जाता। कारण, आज हम स्वयं ही हिंदी के शब्दों की हत्या करने पर उतारू हो गए है। ध्यान रखना होगा कि आज जिस प्रकार से हिंदी के शब्दों की हत्या हो रही है, कल पूरी हिंदी भाषा की भी हत्या हो सकती है। हम विचार करें कि हिंदी भारत के स्वर्णिम अतीत का हिस्सा है। हमारी संस्कृति का हिस्सा है। ऐसा हम अंग्रेजी के बारे में कदापि नहीं बोल सकते। इसलिए ही भारत में हिन्दी दिवस मनाने की मनन करने आवश्यकता है। आज हिंदी को पहले की भांति वैश्विक धरातल प्राप्त हो रहा है। विश्व के कई देशों में हिंदी के प्रति आकर्षण का आत्मीय भाव संचरित हुआ है। वे भारत के बारे में गहराई से अध्ययन करना चाह रहे हैं। विश्व के कई प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों में हिन्दी के पाठ्यक्रम संचालित किए जाने लगे हैं। इतना ही नहीं आज विश्व के कई देशों में हिंदी के संस्करण प्रकाशित हो रहे हैं। अमेरिका में हिन्दी के समाचार पत्र प्रकाशित हो रहे हैं। हिंदी संचेतना नामक पत्रिका भी विदेश से प्रकाशित होने वाली प्रमुख पत्रिका के तौर पर स्थापित हो चुकी है। ऐसे और भी प्रकाशन हैं, जो वैश्विक स्तर पर हिंदी की समृद्धि का प्रकाश फैला रहे है। भारत के साथ ही सूरीनाम फिजी, त्रिनिदाद, गुयाना, मॉरीशस, थाईलैंड व सिंगापुर देशों में भी हिंदी वहां की राजभाषा या सह राजभाषा के रूप में मान्यता प्राप्त कर चुकी है।

हमें अपनी जड़ों की ओर लौटना होगा

सूडोकु नवताल- 6192

सरल

8	5			3		6	1	
6	7		9		4		2	
2					1			4
	3	9			7			
	6	2		8		4	7	
			6			9	3	
3			5					7
	4		1		6		8	3
	8	5		7			9	6

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल 6191 का हल

6	3	7	2	1	5	4	8	9
9	8	4	3	7	6	5	2	1
2	5	1	9	4	8	7	3	6
3	6	8	5	9	7	1	4	2
7	2	9	4	8	1	6	5	3
4	1	5	6	3	2	8	9	7
5	7	6	8	2	9	3	1	4
8	4	2	1	6	3	9	7	5
1	9	3	7	5	4	2	6	8

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

डॉ. सौरभ मालवीय

हमारी प्राचीन भारतीय सभ्यता विश्व की सर्वाधिक गौरवशाली एवं समृद्ध सभ्यताओं में एक है। विश्व के अनेक देशों में जब बर्बरता का युग था, उस समय भी हमारी भारतीय सभ्यता अपने शीर्ष पर थी। इसका सबसे प्रमुख कारण है शिक्षा। हमारे पूर्वजों ने शिक्षा के क्षेत्र में अत्यंत उन्नति की। शिक्षा के माध्यम से ही जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में विकास हुआ। इस पवित्र भारत भूमि पर वेद-पुराणों की रचना हुई तथा यह सब शिक्षा के कारण ही संभव हो सका। मनुष्य के लिए जितने आवश्यक वायु, जल एवं भोजन है, उतनी ही आवश्यक शिक्षा भी है। शिक्षा के बिना मनुष्य पशु समान है।

विद्या नाम नरस्य रूपमधिकं प्रच्छन्नगुप्तं धनम्।
विद्या भोगकरी यशः सुखकरी विद्या गुरूणां गुरुः।
विद्या बन्धुजनो विदेशगमने विद्या परं दैवतम्।
विद्या राजसु पुज्यते न हि धनं विद्याविहीनः पशुः।।

अर्थात विद्या मनुष्य का विशेष रूप है, विद्या गुप्त धन है। वह भोग की दाता, यश की दाता एवं उपकारी है। विद्या गुरुओं की गुरु है। विद्या विदेश में बंधु है। विद्या देवता है। राजाओं के मध्य विद्या की पूजा होती है, धन की नहीं। विद्या विहीन मनुष्य पशु है।

निसंदेह किसी भी सभ्य समाज के लिए शिक्षा अति आवश्यक है। शिक्षा केवल जीविकोपार्जन के लिए नहीं होती कि विद्यालय, महाविद्यालय अथवा विश्वविद्यालय से शैक्षिक प्रमाण-पत्र प्राप्त कर राजकीय या अराजकीय नौकरी प्राप्त कर ली जाए। शिक्षा का उद्देश्य तो मानव के संपूर्ण जीवन का विकास करना होता है। हमारी प्राचीन भारतीय सभ्यता में शिक्षा को अत्यधिक महत्त्व प्रदान किया गया है। मनुष्य के भौतिक एवं आध्यात्मिक उत्थान के लिए शिक्षा अति आवश्यक है। शिक्षित व्यक्ति के लिए कोई भी कार्य असंभव नहीं होता।

विद्या वितर्कां विज्ञानं स्मतिः तत्परता किया।
यस्यैते षड्गुणास्तस्य नासाध्यमतिवर्तते।।

अर्थात विद्या, तर्क, विज्ञान, स्मृति, तत्परता एवं दक्षता, जिसके पास ये छह गुण हैं, उसके लिए कुछ भी असंभव नहीं है। विद्या अथवा शिक्षा प्रकाश का वह स्त्रोत है, जो मानव जीवन को प्रकाशित करता है। प्राचीन भारतीय शिक्षा पद्धति श्रेष्ठ शिक्षा पद्धति थी। किन्तु कालांतर में शिक्षा पद्धति में परिवर्तन आया तथा शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी प्राप्त करने तक ही रह गया। बहुत समय से वर्तमान शिक्षा पद्धति में परिवर्तन की बात उठ रही थी तथा ऐसी शिक्षा पद्धति की आवश्यकता अनुभव की जा रही थी, जिससे बच्चों का सर्वांगीण विकास हो सके। साथ ही बच्चों के कंधों से बस्ते का भार कुछ कम किया जा सके। उत्तम शिक्षा के लिए पाठ्यक्रम में चारित्रिक विकास एवं मानवीय गुणों को विकसित करने के विषयों को भी सम्मिलित किया जाना चाहिए। विज्ञान एवं तकनीकी विषयों से केवल मनुष्य की भौतिक उन्नति होती है, किन्तु औद्योगिक उन्नति के साथ-साथ मानवीय मूल्य भी विकसित होने चाहिए, जिससे नागरिक सामाजिक, नैतिकता तथा आध्यात्मिक मूल्यों को प्राप्त कर सकें। वर्तमान युग में मनुष्य ज्यों-ज्यों भौतिक उन्नति कर रहा है, त्यों-त्यों वह जीवन के मूल्यों को पीछे छोड़ता जा रहा है। आपसी पारिवारिक संबंध टूटते जा रहे हैं। किसी को किसी की तनिक भी चिंता नहीं है। परिवार के वृद्धजनों को वृद्धाश्रम में डाल दिया जाता है तथा बच्चे बोर्डिंग स्कूल में भेज दिए जाते हैं। ग्रामों की पैतृक संपत्ति को बेचकर महानगरों में छोटे-छोटे आवासों में भौतिक सुख-सुविधा में जीने को ही मनुष्य ने जीवन की सफलता मान लिया है। यदि हमें अपनी जड़ों की ओर लौटना है, तो सबसे पहले वर्मान शिक्षा पद्धति में सुधार करना होगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में इस बात पर जोर दिया जा रहा है कि मूल्य आधारित शिक्षा से हम मानव का सर्वांगीण विकास कर सकते है। मानव का जीवन- मूल्यों के प्रति विश्वास और श्रद्धा बनी रहें। आज व्यक्ति वह चरित्र की अपेक्षा धन को महत्त्व दे रहा है। इससे उसका नैतिक पतन हो रहा है। मनुष्य के चारित्रिक पतन के कारण समाज में अपराध दिन-प्रतिदिन बढ़ते जा रहे हैं। इसलिए पाठ्यक्रम में ऐसे परिवर्तन की आवश्यकता है, जिससे मनुष्य का नैतिक विकास हो तथा वह एक सुसभ्य समाज का निर्माण करने में सहायक सिद्ध हो सके। निःसंदेह शिक्षा इसका सबसे सशक्त माध्यम है। भारतीय शिक्षा पद्धति का उद्देश्य ऐसे सदाचारी मनुष्यों का विकास करना है, जिनमें दया, करुणा, सहानुभूति एवं साहस हो। जो नैतिक मूल्यों से संपन्न हों।

फिसलू को जब फेटू-लपेटू ने फेटा

प्रभुनाथ शुक्ल

हमारे आसपास तीन प्रकार के आदमी मिलते हैं। लपेटन, फेटन और फिसलन। सभी को हम उनके उपनाम लपेटू, फेटू और फिसलू के नाम से बुलाते हैं। आगे हम आपको इनकी जन्म कुंडली के अनुसार इनके गुण और दोष का वर्णन करते हैं। अब बेचारे फिसलन जरा सा फिसले क्या, लपेटन और फेटन गिरोह के लोग पूरी तरह वर्चुवल मंच पर टेपा-टेपी शुरू कर दिए। वह झूठ को इतनी सिद्दत से लपेटते और फेटते हैं कि बेचारे फिसलन की ऐसी-तैसी हो जाती है। लेकिन अब मजा आने लगा है। फिसलन के समर्थक भी लपेटू और फेटू की साजिश को समझ गए हैं। वे भी फेटू और लपेटू का जबाब ईंट के जवाब पत्थर से देने लगे हैं। अब क्या बताएं बेचारे फिसलन जानबूझकर फिसलते हैं या फिसलना उनकी फितरत में है यह कहना जरा मुश्किल है। क्योंकि इस बात को हम आजतक नहीं समझ पाए हैं कि वे गाहे-बगाहे फिसल क्यों जाते हैं। फिसलने के बाद जितना वह खुद को सँभालते हैं तब तक दूसरी-तीसरी और चौथी बार फिसल जाते हैं। हालांकि फिसलने के बाद संभल भी जाते हैं, लेकिन उनका संभलना लपेटू और फेटू गिरोह को रास नहीं आता। लपेटू गिरोह के लोग फिसलन की अच्छाईयों के बजाय सिर्फ बुराइयों की बात करते हैं। गिरोह के लोग तुरत-फुरत उनका वीडियो सोशलमीडिया पर वायरल कर देते हैं। जिसके बाद फिसलन की अनावश्यक रूप से लानत-मलानत होने लगती है। हालांकि लपेटू और फेटू के फिसलने का पूरा इतिहास रहा है। लेकिन उनकी वर्चुवल गिरोह उसे बाहर नहीं आने देती। क्योंकि उनका फिसलना मृत्युलोक में पुण्यफलदायी है। कहा जाता है कि फिसलना एक प्राकृतिक घटना और स्वाभाविक है। गाहे-बगाहे हर कोई फिसलता है। इस बारिश के मौसम में तो फिसलना आम बात है। कोई राह चलते फिसलता है। कोई राह में फिसल जाता है। कोई दिन तो कोई रात में फिसलता। कोई जानकर फिसलता है तो कोई अनजाने फिसलता है। कोई दिखाकर फिसलता है तो कोई छुपा कर। लेकिन फिसलते सभी हैं, क्योंकि फिसलने के बाद ही संभलने की समझ आती है। लेकिन बात जब फिसलन से जुड़ी हो तो यह आपदा में अवसर बन जाती है। उनका फिसलना किसी अविष्कार से कम नहीं होता। इससे स्किल डेवलपमेंट और आत्मनिर्भरता का मंत्र निकलता है। हम क्या बताएं सौतन जीएसटी ने पहले से ही आटा गिला कर दिया है। दूसरी तरफ फेटू और लपेटू गिरोह के लोग लौटर-लौटर भर पानी डालकर उसे और गीला कर कर रहे हैं। इतना गिला कर दिया है कि वह गुलगुला बनाने लायक भी नहीं बचा। फेटूजी आप बेमिसाल हैं।

थायरॉइड रोग का इस प्रकार करें उपचार

थायरॉइड एक गंभीर रोग है, जिसके मरीजों की संख्या हर साल लाखों में बढ़ रही है। लंबे समय तक थायरॉइड जानलेवा भी हो सकता है इसीलिए इस रोग को साइलेंट किलर भी कहा जाता है। थायरॉइड हमारे गले के अंदर स्थित एक ग्रंथि है, जो विशेष प्रकार के हार्मोन्स का निर्माण करती है। जब ये ग्रंथि ठीक तरह से काम नहीं कर पाती है और जरूरत से ज्यादा या कम मात्रा में हार्मोन्स का निर्माण करने लगती है, तो थायरॉइड की समस्या शुरू हो जाती है। आमतौर पर थकान आना, रोग-प्रतिरोधक क्षमता का कमजोर होना, जुकाम होना, त्वचा का सूखना, अवसाद होना, वजन बढ़ना और हाथ-पैर ठंडे रहने जैसे लक्षण थायरॉइड का संकेत हैं। थायरॉइड के उपचार के द्वारा इस विकार को समाप्त किया जाता है, जिससे थायरॉइड हार्मोन को संतुलित किया जा सके।

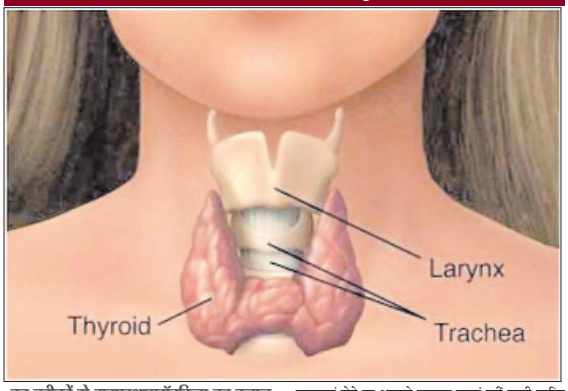

इन तरीकों से हाइपरथायरॉइडिज्म का इलाज किया जा सकता है।

एंटीथायरॉइड दवाएं

थायरॉइड में सामान्य समस्याएं जैसे बुखार, खांसी जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं लेकिन थायरॉइड के कारण ऐसी समस्याएं होने पर आपको सामान्य दवाएं नहीं खानी चाहिए बल्कि चिकित्सक से पूछकर ही दवाएं खानी चाहिए। रोग की शुरुआत में मरीजों को एंटीथायरॉइड दवाएं देकर रोग को नियंत्रित किया जा सकता है। इसलिए थायरॉइड के मरीजों को चिकित्सक से सलाह लेकर एंटीथायरॉइड गोलियां खानी चाहिए। बिना डॉक्टर की सलाह के एंटीथायरॉइड गोलियां आपके लिए हानिकारक हो सकती हैं।

रेडियोएक्टिव आयोडिन इलाज

रेडियोएक्टिव आयोडिन 50 साल से ज्यादा उम्र के लोगों में भी सुरक्षित तरीके से प्रयोग किया जा सकता है। प्रेग्नेंसी में रेडियोएक्टिव आयोडिन ट्रीटमेंट का इलाज नहीं किया जाता है। इससे मां और बच्चे को नुकसान हो सकता है। दिल के मरीजों के लिए यह उपचार बहुत ही सुरक्षित होता है। इस थेरेपी से 8-12 महीने में थायरॉइड की समस्या समाप्त हो जाती है। सामान्यतया 80 प्रतिशत तक थायरॉइड के मरीजों को रेडियोएक्टिव आयोडिन के एक ही खुराक से उपचार हो जाता है लेकिन थाइराइड की समस्या गंभीर होने पर इसके इलाज में कम से कम 6 महीने तक लग सकते हैं।

सर्जरी द्वारा थायरॉइड का इलाज

सर्जरी के द्वारा आंशिक रूप से थायरॉइड ग्रंथि को निकाल दिया जाता है, जो कि बहुत सामान्य तरीका है। थायरॉइड के मरीजों में सर्जरी के द्वारा मरीज के शरीर से थायरॉइड के उन ऊतकों को निकाला जाता है, जो ज्यादा मात्रा में थायरॉइड के हार्मोन पैदा करते हैं लेकिन सर्जरी से आसपास के ऊतकों पर भी प्रभाव पडता है। इसके अलावा मुंह की नसें और चार अन्य। ग्रंथियां (जिनको पैराथायरॉइड ग्रंथि कहते हैं) भी प्रभावित होती हैं जो कि शरीर में कैल्शियम स्तर को नियमित करती हैं। थायरॉइड की सर्जरी उन मरीजों को करानी चाहिए जिनको खाना निगलने में दिक्कत हो रही हो और सांस लेने में दिक्कत हो। प्रेग्नेंट महिलाएं और बच्चे जिनके लिए थायरॉइड की दवाएं सुरक्षित नहीं मानी जाती हैं, उनके लिए सर्जरी उपयोगी है।

हाइपरथायरॉइडिज्म के लिए रेडियोएक्टिव आयोडिन

रेडियोएक्टिव आयोडिन के द्वारा थायरॉइड को धीरे-धीरे छोटा किया जाता है और अंत में इसे नष्ट कर दिया जाता है। ये उपचार सुनने में जितना कठिन लग रहा है, उतना ही आसान है। ये ट्रीटमेंट हाइपरथायरॉइडिज्म का एक सुरक्षित उपचार है। थायरॉइड के मरीज को रेडियोएक्टिव आयोडिन, टेबलेट या लिक्विड माध्यम से दिया जाता है। इस उपचार के द्वारा थायरॉइड की ज्यादा सक्रिय ग्रंथि को काटकर अलग किया जाता है। लगातार आयोडिन स्कैन चेकअप के बाद मरीज को रेडियोएक्टिव आयोडिन दिया जाता है। ये आयोडिन स्कैन हाइपरथायरॉइडिज्म की पुष्टि करता है। रेडियोएक्टिव आयोडिन थायरॉइड की कोशिकाओं को समाप्त करते हैं। इस थेरेपी से शरीर को कोई भी साइड-इफेक्ट नहीं होता है।

मसूड़ों की बीमारियों की न करें अनदेखी

दांतों और मसूड़ों की बीमारियों की अनदेखी न करें। इससे कई अन्य गंभीर रोगों का खतरा रहता है। पेरिओडॉन्टाइटिस मसूड़ों का एक खतरनाक संक्रमण है। ये दांतों और मसूड़ों में पैदा होने वाले कुछ खास बैक्टीरिया के कारण होता है। जैसे-जैसे पेरिओडॉन्टाइटिस संक्रमण बढ़ता है, आपके दांत और हड्डियां दोनों खराब होने लगते हैं। अगर सही समय से इस संक्रमण का इलाज किया जाए और मुंह की ठीक से सफाई रखी जाए, तो इसे ठीक किया जा सकता है।

पेरिओडॉन्टाइटिस से कमजोर होते हैं दांत

अगर आपके मसूड़े स्वस्थ रहेंगे, तो मसूड़ों में मौजूद सेल्स आपके दांतों को अच्छी तरह पकड़ कर रखती हैं, जिससे दांत मजबूती के साथ अपना काम करते हैं जबकि पेरिओडॉन्टाइटिस संक्रमण हो जाने पर दांतों पर से मसूड़ों की पकड़ कमजोर हो जाती है और वो फैलने लगते हैं, जिससे थैलियां बन जाती हैं। दांतों में जमने वाला प्लाक और भोजन के अवशेष इन थैलियों में इकट्ठा होते रहते हैं और गंभीर संक्रमण का कारण बनते हैं। प्लाक में स्थित बैक्टीरिया प्रजनन करते हैं, मसूड़ों की रेखा के नीचे वृद्धि करते हैं और बैक्टीरियल विष (टॉक्सिन्स) उत्पादित करते हैं। रोग बढ़ने के साथ थैलियां गहरी होती जाती हैं और मसूड़ों का ऊतक और हड्डी और नष्ट होती है और अंततः दांत उखड़ जाते हैं।

क्या हैं पेरिओडॉन्टाइटिस के लक्षण

मंजन करने या टंग क्लीनर का इस्तेमाल करने के दौरान मसूड़ों से खून निकलना, बदबूदार सांसें, दांत का अपनी जगह से खिसक जाना या कमजोर होकर टूट जाना,मसूड़ों में सूजन आ जाना, मसूड़े लाल हो जाना, दांतों में प्लाक जम जाना,खाते-पीते समय दांतों में दर्द होना, मुंह में हर समय अजीब स्वाद लगना, शरीर के अन्य अंगों में सूजन आ जाना

क्या है पेरिओडॉन्टाइटिस का इलाज

अगर पेरिओडॉन्टाइटिस इंफेक्शन अपनी शुरुआती स्टेज में है, तो घर की देखभाल और सामान्य चिकित्सा से ठीक किया जा सकता है। मगर रोग के काफी बढ़ जाने पर सर्जरी द्वारा ही इसे ठीक किया जा सकता है। अगर मसूड़ों और दांतों के बीच गैप (थैलियां) बन गई हैं, जो थोड़ी गहरी हैं, तो आपके स्केलिंग करके एंटीबायोटिक दवाओं के द्वारा इसे ठीक कर सकते हैं।

अन्य कई रोगों का बढ़ता है खतरा

पेरिओडॉन्टाइटिस होने पर अगर ठीक समय से और सही उपचार न किया जाए, तो इससे कई अन्य बीमारियों जैसे- डायबिटीज, सांस की बीमारी और दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा गर्भावस्था के दौरान अगर किसी महिला को ये रोग हो जाए, तो उसके बच्चे का वजन कम हो सकता है।

ब्रोंकाइटिस का आयुर्वेदिक इलाज

ब्रोंकाइटिस दो प्रकार के होते हैं, तीव्र और दीर्घकालीन। तीव्र ब्रोंकाइटिस की बीमारी अल्पकालीन होती है जो कि विषाणु जनित रोग फ्लू या सर्दी-जुकाम के होने के बाद विकसित होती है। इसके लक्षण बलगम के साथ सीने में बेचैनी या वेदना, बुखार और कभी कभी श्वास में तकलीफ का होना होता है। तीव्र ब्रोंकाइटिस कुछ दिनों या कुछ हफ्तों तक जारी रहती है। दीर्घकालीन ब्रांकाइटिस के रोगी सांस की विभिन्न तकलीफें महसूस करते हैं और यह अवस्था वर्ष के अलग भागों में बेहतर या बदतर हो सकती है। ब्रोंकाइटिस का आयुर्वेदिक तरीकों से इलाज संभव है।

ब्रोंकाइटिस के कारण क्या हैं?

तीव्र ब्रोंकाइटिस उसी विषाणु के कारण होती है जिसके कारण सर्दी-जुकाम और फ्लू होते हैं और दीर्घकालीन ब्रोंकाइटिस ज्यादातर धूम्रपान से होती है। यद्यपि, दीर्घकालीन ब्रोंकाइटिस तीव्र ब्रोंकाइटिस के अनवरत हमले के कारण भी होती है। इसके अलावा प्रदूषण, धूल, विषैले गैस, और अन्य औद्योगिक विषैले तत्व भी इस अवस्था के जिम्मेदार होते हैं। ब्रौन्काई में सूजन या जलन, खाँसी, श्वेत, पीले, हरे या भूरे रंग के बलगम का निर्माण, हाँफना, साँस की घरघराहट, थकावट, बुखार और सर्दी जुकाम, सीने में पीड़ा या बेचैनी, चंद या बहती नाक आदि ब्रोंकाइटिस के लक्षण होते है। धूम्रपान करने,कमजोर प्रतिकारक क्षमता, वरिष्ठ और शिशु आदि को इसकी समस्या होने का खतरा ज्यादा रहता है।

ब्रोंकाइटिस के आयुर्वेदिक उपचार

ब्रोंकाइटिस की बीमारी आजकल तेज़ गति से बढ़ रही है, और खासकर के बच्चे इस बीमारी के शिकार जल्दी होते हैं। दूध में शक्कर की बजाय 1 या 2 चम्मच शहद मिलाकर पिलाने से ब्रोंकाइटिस से काफी हद तक राहत मिलती है। अगर नियमित रूप से दूध में शहद मिलाकर पिलाया जाये तो खांसी तुरंत भाग जायेगी और वापस नहीं आएगी। एक गिलास दूध में चुटकी भर हल्दी डाल कर उबाल लें फिर इसे खाली पेट एक चम्मच देशी घी के साथ दिन में दो या तीन बार लें। इस उपाय को हर रोज अपनाने से ब्रोंकाइटिस की समस्या धीरे-धीरे खत्म हो जाएगी। सोंठ और दालचीनी को सामान मात्रा में पीस लें, और एक चम्मच आधे ग्लास पानी में मिलाकर उसे उबाल लें, और एक ही सांस में गरमागरम पी लें। इससे भी ब्रोंकाइटिस से तुरंत राहत मिलती है। सोंठ और हरड का चूरा बनाकर अच्छी तरह मिला दें, और आधा चम्मच 2 चम्मच शहद के साथ मिलाकर सेवन करें, इससे ब्रोंकाइटिस के उपचार में सहायता मिलती है।15 ग्राम गुड़ के साथ 5 ग्राम सौंठ मिलाकर एक महीने तक नियमित रूप से सेवन करने से भी ब्रोंकाइटिस में राहत मिलती है।

अदरक के रस के 2 चम्मच शहद के दो चम्मच शहद के साथ सेवन करने से भी ब्रोंकाइटिस से राहत मिलती है। नियमित रूप से एक सेब का सेवन या 1 या 2 चम्मच आंवले के जाम का सेवन भी ब्रोंकाइटिस की राहत में काफी सहायक सिद्ध होता है। लहसुन की दो तीन कलियों को काट कर दूध में डाल कर उबाल लें और रात को सोने से पहले पी लें।यह एक अच?छा एंटीबायोटिक है। इसमें एंटी वाइरल तर?व पाए जाते हैं। जितना हो सके उतना पानी पियें। वहीं कैफीन और एल्कोहल का सेवन न करें क्योंकि इनसे यूरीन अधिक होती है और शरीर का जल स?तर कम हो जाता है। ब्रोंकाइटिस के रोगियों को धूम्रपान बिल्कुल भी नहीं करना चाहिए। उन लोगों से थोड़ा दूर रहें जो सर्दी-जुकाम से ग्रस्त हैं।

नमक का कितना करें इस्तेमाल

नमक का ज्यादा सेवन आपके स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। ऐसे में एक समस्या आपके सामने यह भी आती है कि नमक का कितना इस्तेमाल करें। अगर आप सीमित मात्रा में सेवन करते हैं, तो सभी प्रकार के नमक से आपके शरीर को जरूरी पोषक तत्व मिलते हैं। मगर यदि आप पूरी तरह स्वस्थ हैं, तो आपको टेबल सॉल्ट के सेवन की सलाह दी जाती है। इसका कारण ये है कि सोडियम, पोटेशियम और मैग्नीशियम आपको सभी प्रकार के नमक से मिल जाते हैं मगर आयोडिन नहीं मिलता है।

ज्यादातर पैकेटबंद टेबल सॉल्ट को आयोडाइज्ड किया जाता है। आयोडिन हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी है क्योंकि इसकी कमी से कई गंभीर रोग जैसे- थायरॉइड, घेंघा आदि हो जाते हैं। घर पर हम सामान्यतः जो नमक खाना बनाने में इस्तेमाल करते हैं, उसे टेबल सॉल्ट या सफेद नमक कहते हैं। ये नमक सोडियम क्लोराइड कहलाता है, जो सोडियम और क्लोरीन नामक दो तत्वों को मिलाकर बनता है।

रॉक सॉल्ट,

पिंक हिमालयन सॉल्ट वास्तव में एक अलग किस्म का नमक है। ये हमारे स्वास्थ्य के बहुत अच्छा है। इसे रॉक सॉल्ट, हिमालयन क्रिस्टल सॉल्ट नाम से जाना जाता है। सेंधा नमक भी इसी का एक प्रकार है। इस नमक में सोडियम 36.8फीसदी, पोटैशियम 0.28फीसदी, मैग्नीशियम 0.1फीसदी और आयरन 0.0004 फीसदी से कम होता है।

क्यों जरुरी है

शरीर में पानी की मात्रा को नियंत्रित रखने के लिए हमें सोडियम की जरूरत होती है और नमक इसका प्रमुख स्रोत है। दिमाग से शरीर के अन्य अंगों तक सूचनाओं के आदान-प्रदान में सोडियम की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। साथ ही मांसपेशियों की सक्रियता बरकरार रखने में भी सोडियम बहुत मददगार होता है। यह सभी पदार्थों को तेजी से अपनी ओर खींचता है, इसलिए इसकी अधिकता से शरीर में पानी की मात्रा बढ जाती है, जो सेहत के लिए बहुत नुकसानदेह साबित होती है।

टेबल सॉल्ट या सफेद नमक

टेबल सॉल्ट दुनियाभर में सबसे ज्यादा इस्तेमाल किया जाने वाला नमक है क्योंकि आमतौर पर खाना बनाने में इसी का इस्तेमाल किया जाता है। इस नमक को आयोडाइज्ड किया जाता है, ताकि हमारे शरीर को पर्याप्त आयोडिन मिल सके। सफेद नमक में सोडियम 39.1 फीसदी, पोटेशियम 0.09 फीसदी, मैग्नीशियम 0.01 फीसदी से भी कम और आयरन 0.01 फीसदी से कम होता है।

समुद्री नमक

समुद्री नमक समुद्र के पानी को वाष्पित करके बनाया जाता है। समुद्री नमक में कुछ मिनरल्स ज्यादा होते हैं, जिससे खाने का स्वाद थोड़ा अलग हो सकता है मगर ये सादे नमक जैसा ही है। समुद्री नमक में सोडियम 38.3फीसदी, पोटेशियम 0.08 फीसदी, मैग्नीशियम 0.05फीसदी और आयरन 0.01फीसदी से कम होता है।

फेफड़ें की बीमारी के रोगियों की तादाद बढ़ रही

व्यस्त जीवनशैली और खानपान के कारण फेफड़े के रोगियों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। हर साल लाखों लोग फेफड़े सम्बन्धित बीमारी से पीड़ित हो रहे हैं लेकिन केवल ये दो कारण ही इस बीमारी के लिए जिम्मेदार नहीं हैं। इस बीमारी के बारे में सबसे खास बात यह है कि कई मरीजों को इस बीमारी के बारे में शुरूआत में पता भी नहीं चल पाता है। लोग सामान्यतया खांसी, सीने में दर्द, कफ, बलगम आदि को सामान्य बीमारी की तरह लेते हैं। कई बार तो यही टीबी और फेफड़ों के कैंसर का कारण भी बनता है। इससे जुड़े लक्षणों के बारे में हम आपको बता रहे हैं।

सांस लेने में समस्या

सांस लेने में समस्या को रेस्पिरेटरी फेल्योर भी कहते हैं, यह फेफड़ों की गंभीर बीमारी का एक महत्वपूर्ण संकेत है। एक्यूट रेस्पिरेटरी फेलियोर अत्यधिक संक्रमण, फेफड़ों की सूजन, धड़कन के ठहरने या फेफड़े की गंभीर बीमारी के कारण हो सकता है। फेफड़े जब खून को पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन नहीं पहुंचा पाते और कार्बन डाइऑक्साइड को सामान्य तौर पर हटा नहीं पाते तो गंभीर समस्या होती है, जिसके परिणाम स्वरूप सांस लेने में समस्या होती है।

लगातार खांसी

फेफड़ों की समस्या होने पर लगातार खांसी आती है। खांसी एक प्रतिरक्षा प्रणाली है जो म्यूकस, यानी जहरीले पदार्थों और बाहरी तत्वों से श्वसन यानी रेस्पिरेटरी नली को साफ करती है लेकिन यदि खांसी अधिक आये तो यह फेफड़ों की बीमारी के संकेत हैं। लगातार खांसी आने की वजह से बुखार, डिस्पिनिया, म्यूकस में खून आदि की समस्या हो सकती है।

सांस लेने में खरखराहट

फेफड़े सांस लेने में मदद करते हैं। यदि सांस लेने के दौरान खरखराहट या जोर-जोर से आवाज आने लगे तो यह फेफड़ों की बीमारी के संकेत है। जब श्वसन मार्ग संकुचित होता है, ऊतकों में सूजन या अत्यधिक स्राव या म्यूकस आदि के कारण सांस लेने में समस्या आती है तब यह स्थिति होती है। इसे वीजिंग भी कहते हैं जो फेफड़ों की बुरी स्थिति की ओर संकेत करता है।

खांसी के साथ खून आना

फेफड़ों की बीमारी होने पर खांसी के साथ खून भी आ सकता है। खून के थक्के, म्यूकस के साथ खून, या फिर सिर्फ खून आ सकता है। यह अत्यधिक खांसी के कारण हो सकता है जो फेफड़ों की गंभीर बीमारी की ओर संकेत कर सकता है।

छाती में दर्द

फेफड़ों की बीमारी होने पर सामान्यतः छाती में दर्द होना होता है। यह छाती की मांसपेशियों और हड्डियों में किसी समस्या की ओर संकेत करता है। यह समस्या छोटी और गंभीर भी हो सकती है। कुछ मामलों में इसके कारण आदमी की जान भी जा सकती है। यदि छाती में दर्द के साथ खांसी और बुखार भी हो, तो यह संक्रमण की ओर संकेत करता है।

त्वचा का बदलना

इसका असर पुरुषों की त्वचा पर भी पड़ता है, इसकी वजह से व्यक्ति की त्वचा नीली या बैंगनी रंग की हो जाती है। इस स्थिति को साइनोसिस कहते हैं। यह स्पष्टतौर पर होठों और नाखून के इर्द-गिर्द दिखाई पड़ता है। यह स्थिति तब आती है जब खून को पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन नहीं मिल पाता है। साइनोसिस अचानक से दिखाई दे सकता है जो तेज गति या धीमी गति से फेफड़े की गंभीर बीमारी की ओर संकेत करता है।

सूजन की समस्या

फेफड़ों की बीमारी के कारण हाथों, पैरों और एड़ी में सूजन हो सकती है हालांकि सामान्यतया सूजन दिल की बीमारी के कारण होती है। इसके साथ छोटी सांस भी आती है। अक्सर दिल और फेफड़े दोनों समस्याओं के लक्षण एक जैसे होते हैं क्योंकि ये दोनों बीमारियां एक-दूसरे अंगों को प्रभावित करती हैं।

फेफड़े की बीमारी केवल बूढ़े लोगों को ही नहीं प्रभावित करती है, वास्तव में फेफड़े की बीमारी और फेफड़े के संक्रमण नवजात बच्चे से लेकर हर उम्र तक के व्यक्ति को हो सकती है। नवजातों की मृत्यु का सबसे बड़ा कारण फेफड़ों की बीमारियां हैं।

पूर्ण सतगुरु की शरणागति होकर ईश्वर का साक्षात्कार करें - साध्वी आस्था भारती

आत्मा और परमात्मा का मिलन गुरु कृपा द्वारा ही संभव - साध्वी आस्था भारती

ब्यूरो पुष्पांजली टुडे

दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा 12 से 18 सितंबर 2022 तक डीडीए ग्राउंड, ब्लॉक, बंसल भवन के सामने, पेट्रोल पंप के पीछे, सेक्टर 16, रोहिणी, दिल्ली में %श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ% का भव्य आयोजन किया जा रहा है। गुरुदेव श्री आशुतोष महाराज जी (संस्थापक एवं संचालक, डीजेजेएस) की शिष्या भागवताचार्या महामनस्विनी विदुषी सुश्री आस्था भारती जी ने कथा के द्वितीय दिवस नन्हे भक्त ध्रुव की संकल्प यात्रा को बड़े ही मार्मिक ढंग से सुनाया। भगवान तो भाव के भूखे हैं। जो भी उन्हें भावों से पुकारता है, वे शीघ्र ही वहाँ पहुँच जाते हैं। साध्वी जी ने बताया कि भक्त ध्रुव की संकल्प यात्रा प्रतीक है- आत्मा और परमात्मा के मिलन की। यह यात्रा केवल सद्गुरु के सान्निध्य से ही पूर्ण होती है। यही सृष्टि का अटल और शाश्वत नियम है। ध्रुव ने यदि प्रभु की गोद को प्राप्त किया तो देवर्षि नारद जी के द्वारा। अर्जुन ने विराट स्वरूप का साक्षात्कार किया तो जगद्गुरु भगवान श्रीकृष्ण की महती कृपा से। राजा जनक जीवन की सत्यता को समझ पाए लेकिन गुरु अष्टावक्र जी के माध्यम से। मुण्डकोपनिषद् भी कहता है- तद्विज्ञानार्थं स गुरुमेवाभिगच्छेत्। समित्पाणिः श्रोत्रियंब्रह्मनिष्ठम्।। अर्थात् उस परब्रह्म का ज्ञान प्राप्त करने के लिए हाथ में जिज्ञासा रूपी समिधा लेकर वेद को भली-भांति जानने वाले परब्रह्म परमात्मा में स्थित गुरु के पास विनय पूर्वक जाएं। आपको अवश्य ही ईश्वर का साक्षात्कार मिलेगा। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान ने मंच से सभी श्रोताओं को ईश्वर दर्शन के लिए आमंत्रित किया। आज कथा की दिव्य सभा में गंगा दशहरा पर्व को बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। गंगा अवतरण प्रसंग के अंतर्गत उन्होंने संस्थान के प्रकृति संरक्षण कार्यक्रम 'संरक्षण' की चर्चा करते हुए बताया कि विकास की अंधी दौड़ में प्राकृतिक संसाधनों के दोहन के फलस्वरूप आज सम्पूर्ण धरा विनाश के कगार पर आ खड़ी हुई है। इस बढ़ते प्राकृतिक असंतुलन को नियंत्रित करने व मानव और प्रकृति के बीच सामंजस्य पुनःस्थापित कर पर्यावरण के संवर्धन हेतु संस्थान द्वारा 'संरक्षण कार्यक्रम' को संचालित किया जा रहा है। गुरुदेव श्री आशुतोष महाराज जी का कथन है- जब मनुष्य आत्मिक रूप से जागृत हो जाता है तो प्रकृति का दोहन नहीं, उसका पूजन करता है। और फिर यही जागृत आत्माएं ध्यान के द्वारा प्रकृति को अपनी दिव्य-तरंगों से संपोषित करती हैं।

श्योपुर जिला प्रशासन पर भारी पड़ रहे है खनन माफिया

अनिल कुशवाह प्रभारी
पुष्पांजलि टुडे

श्योपुर-श्योपुर जिले की जनपद पंचायत विजयपुर के अंतर्गत खनिज पदार्थों का अवैध उत्खनन करवाकर बिक्री करने वाले खनन माफियाओं के हौसले बुलंद है। कुछ खनन माफिया अपने

नाम से बिल्डिंग मटेरियल की फर्म कैलादेवी ट्रेडर्स एस.एल. ट्रेडर्स एवं मित्तल ट्रेडर्स आदि रजिस्टर्ड करवाकर अवैध रूप से खनिज पदार्थों की बिकी कर रहे हैं तथा जनपद कार्यालय विजयपुर से शासकीय धन का भुगतान प्राप्त कर रहे है। इस संबंध में पूर्व में कई शिकायतें वरिष्ठ अधिकारियों को की गई थी उन शिकायतों के क्रम में जनपद पंचायत विजयपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा जो जाँच प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है उसमें यह स्पष्ट उल्लेख किया गया है कि फर्म संचालकों द्वारा बिना रॉयल्टी भरे खनिज पदार्थों की सप्लाई की है एवं स्वयं विक्रेता द्वारा भी अपने कथन में इस बात को स्वीकार किया गया है कि बिना रॉयल्टी एवं बिना खदान लीज पर लिए मैंने खनिज पदार्थों का विक्रय किया है तथा भुगतान जनपद कार्यालय विजयपुर से प्राप्त किया है। जॉच प्रतिवेदन में इस बात का भी उल्लेख है कि इन फर्म संचालकों के विरूद्ध आगे की कार्यवाही खनिज विभाग द्वारा की जानी है। जब खनिज विभाग श्योपुर से सूचना के अधिकार के तहत जानकारी मांगी गई तो उन्होने भी इस बात को स्वीकार किया है कि उक्त विक्रेताओं ने खनिज विभाग से किसी प्रकार की अनुमति नही ली है और न ही परिवहन हेतु कोई पिटपास जारी किए गए है।

भेदभाव नहीं है उपचार, एड्स पीड़ितों को बांटे प्यार

डा दीक्षित*

फैमिली प्लानिंग एसोसिएशन ऑफिस इंडिया की लक्ष्यगत हस्तशेप परियोजना द्वारा आज ट्रांसपोर्ट नगर में अशोक लेयोलैंड के वर्कशॉप पर उनके वर्कर्स को स्वास्थ्य सुविधा देने हेतु स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया कार्यक्रम में मुख्य अथिति के रुप में संस्था के मनसेवी सचिव डॉ के के दीक्षित जी उपस्थित थे.

डा दीक्षित ने अपने उदबोधन मे कहा कि, वर्ष 2020 मे, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन ने आंकड़े जारी कर बताया, देश में 81430, बच्चे एचआईवी संक्रमण से जूझ रहे हैं जो अत्यंत चिन्ता का विषय है और कुल 23 लाख 18हजार लोग एचआईवी से संक्रमित हुए हैं। समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अपने और अपने परिवार के स्वाथ्य एवम स्वास्थ सुरक्षा के प्रति जागरूक रहना होगा । हमारी संस्था एफपीआई, देश भर में, अपना सामाजिक दायित्व का निर्वहन कर रही है। कार्यक्रम में कार्यक्रम के अध्यक्षता श्री सचिन जैन जी ने की उन्होने सभी से स्वस्थ रहने की अपील भी की.. कार्यक्रम में विशेष अथिति के रुप में संस्था के कार्यक्रम अधिकारी श्री अच्छेद्र सिंह कुशवाह जी उपस्तिथ थे इन्होने सभी वर्कर्स को सामान्य बीमारियो से बचने के टिप्स दिए साथ ही उन्होने सभी को संस्था की गतिविधियों से अबगत करवया.. कार्यक्रम में विशेष अथिति के रुप में संस्था के चिकित्सा अधिकारी डॉ पीयूष गौर जी उपस्थित थे उन्होने सभी का परिक्षण कर उन्हें उचित परामर्श दिया

कार्यक्रम को सफलत बनने संस्था की और से शैलेन्द्र शर्मा,मोनू राय, जितेंद्र साक्य कल्याण रघुवंशी हेमंत कुशवाह का मुख्य योगदान रहा..।

पिछोर थाना प्रभारी टीआई गब्बर सिंह गुर्जर की बेहतरीन कार्यकारिणी

पिछोर क्षेत्र में अवैध शराब, अवैध रेत खनन , गांजा तस्करी, चोरी, जुआ बाजी, गुंडागर्दी,पर लगा ताला

राकेश परिहार, पुष्पांजली टुडे

पिछोर,पुलिस अधीक्षक शिवपुरी राजेश कुमार चंदेल एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवपुरी प्रवीण कुमार भूरिया के निर्देशन में एवं एसडीओपी पिछोर दीपक तोमर के मार्गदर्शन में व थाना पिछोर प्रभारी गब्बर सिंह गुर्जर बेहतरीन कार्यकारिणी पिछोर क्षेत्र में चल रही है जिसके चलते पिछोर नगर क्षेत्रवासी थाना प्रभारी गब्बर सिंह गुर्जर की कार्यकारिणी से बेहतर खुश हैं इसी क्रम में अगर देखा जाए तो अपराधों पर ताला इस तरह लग चुका है जैसे अवैध रेत खनन, गांजा तस्करी, जुआ बाजी, अवैध शराब माफिया, चोरी, गुंडागर्दी, व अपराधों पर लगा ताला पिछोर क्षेत्र में गुंडागर्दी शराब माफिया अवैध रेत खनन का दबदबा इस कदर छाया हुआ था जिसका कोई आंकलन नहीं किया जा सकता है लेकिन जब से थाना पिछोर पुलिस कि कमाल संभाली है थाना प्रभारी गब्बर सिंह गुर्जर ने तो इन माफियाओं के मुंह पर ताला जड़ दिया गया है और माफियाओं के विरुद्ध कड़े से कड़े कदम उठाए जा रहे हैं साथ ही थाना पिछोर प्रभारी गब्बर सिंह गुर्जर के नेतृत्व में हिट एक्शन लिया गया और अवैध शराब रेत खनन मुस्तैदी के साथ ताला जड़ दिया है पिछोर क्षेत्र में कोई भी अपराधी पनप नहीं पा रहा है एक बेहतरीन थाना प्रभारी गब्बर सिंह गुर्जर की कार्यकारिणी एक बेहतरीन कार्यकारिणी है जो सराहनीय योग्य है थाना प्रभारी गब्बर सिंह गुर्जर के नेतृत्व में थाना पिछोर पुलिस की टीमें गठित हैं जो लगातार बड़े ही मुस्तैदी के साथ क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं एवं पिछोर क्षेत्र में शांति छाई हुई है कहीं भी कोई भी घटना घटित नहीं हो पा रही है।

श्रीपुरा मधुसुदनगढ़ से चाचा भतीजे जेईई एडवांस परीक्षा में शानदार रैंक हासिल कर गांव का नाम किया रोशन

प्रतीश अग्रवाल रिपोटर
पुष्पांजलीं टुडे

गुना-शिक्षक देवराज सिंह लोधी के छोटे भाई लोकेश लोधी एवं पुत्र दीपेश लोधी चाचा भतीजे दोनो ने एक साथ देश की सर्वोच्च शैक्षिक संस्थान आईआईटी (द्ढद्ब) में प्रवेश के लिए होने वाली देश की सबसे कठिनतम परीक्षा छ्वश्वश्व ड्डस्1ड्डठ्ठष्द्ग में शानदार रैंक के साथ सफलता हासिल की है। आगे दोनो की इच्छा देश की टॉप द्ढद्बञ्ज दिल्ली से क्चह्लद्गष्द्ध करना है इस विशेष सफलता के लिए दोनो प्रतिभाओं को लोकेश के पिताजी एवं दीपेश के दादाजी श्री रामनारायण लोधी स्वजनों में बापू सिंह लोधी, गंगा विसन लोधी, भारत सिंह लोधी, राजेंद्र सिंह लोधी, इनके शिक्षक हरिओम लोधी सभी ने इनके उज्वल भविष्य की कामना करते हुए बधाईयां एवं शुभकामनाएं प्रेषित की।

सपना पटेलिया और अरूण परिहार ने किया योग

संवादाता हरिओम परिहार पुष्पांजली टुडे

बदरवास -योग को अपने जीवन का एक महत्वपूर्ण अंग बनाएं और इसे अपने प्रतिदिन की दिनचर्या में शामिल करें क्योंकि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है यह बात विकासखंड स्तरीय योग प्रतिस्पर्धा में कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पतंजलि योग समिति की प्रभारी श्रीमती विजय कुमारी रावत द्वारा कही गई

विकासखंड स्तरीय योग प्रतिस्पर्धा बदरवास नगर के बीचो-बीच स्थित शासकीय मॉडल स्कूल में रखी गई जिसमें शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बदरवास, शासकीय मॉडल स्कूल बदरवास ,हाई स्कूल एजवारा, हाई स्कूल कुटवारा, हाई स्कूल आगरा ,हाई स्कूल अम्हारा हायर सेकेंडरी स्कूल खरेह, हाई स्कूल बामोर खुर्द, और हाई स्कूल ढकरौरा आदि कई विद्यालयों ने इसमें सहभागिता की इस प्रतिस्पर्धा में प्रथम स्थान पर छात्रा वर्ग में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बदरवास की सपना पटेलिया प्रथम रही वही छात्र वर्ग में मॉडल स्कूल बदरवास के अरुण परिहार प्रथम स्थान पर रहे इसी प्रकार जूनियर वर्ग में छात्राओं में अनुष्का यादव हाई स्कूल एजवारा की प्रथम स्थान पर रही छात्र वर्ग मे सार्थिक यादव हाई स्कूल अम्हारा प्रथम स्थान पर रहे इसी प्रकार इसी प्रकार मिनी वर्ग में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बदरवास की रुचि प्रजापति प्रथम स्थान पर रही

विकासखंड स्तरीय युग प्रतिस्पर्धा कार्यक्रम में कार्यक्रम की अध्यक्षता विकास खंड शिक्षा अधिकारी एक रोहित ने की कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में संकुल प्राचार्य चंद्रवीर सिंह सेंगर उपस्थित रहे कार्यक्रम में निर्णायक मंडल में सीएम राइज स्कूल की अध्यापिका रिजवाना खान, श्री कपिल परिहार शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बदरवास ,श्रीमती बसंती मिंज (शासकीय कन्या उ.मा.वि. बदरवास)रहे कार्यक्रम में छात्र छात्राओं के साथ सभी विद्यालयों के योग प्रभारी भी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन विकासखंड योग प्रभारी श्री मुकेश शर्मा जी द्वारा किया गया

अरे वाह बहुत सुंदर कलाकृति बनाई है-पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ

बलवीर का यह रूप तो मैंने पहली बार देखा, बहुत सुंदर

भारत भवन में किया गया शिल्प प्रदर्शनी का शुभारंभ

रघुवर दयाल गोहिया

भोपाल/सीहोर। अरे वाह बलबीर की अद्भुत प्रतिभा का यह रूप तो मैंने पहली बार देखा है। बहुत सुंदर कलाकृतियां बनाई हैं, बधाई। यह शब्द बुधवार की शाम को भारत भवन में प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ के मुंह से अचानक ही निकल पड़े।

अवसर था सीहोर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. बलवीर तोमर द्वारा विश्व एवं भारत वर्ष के प्रसिद्ध चित्रकारों की चित्रकला के आधार पर बनाई गई टेराकोटा प्रतिकृतियों की प्रदर्शनी के अवलोकन का।

भारत भवन भोपाल में

समकालीन कलाकारों की कृतियों की एकल प्रदर्शनी ÷रूपाभ÷ श्रंखला के अंतर्गत रंगदर्शनी दीर्घा में 13 सितंबर से 18 सितंबर तक छह दिवसीय टेराकोटा कला की डॉ. बलवीर तोमर द्वारा बनाई गई कलाकृतियों की एकल प्रदर्शनी आयोजित की गई है। जिसका विधिवत उद्घाटन 13 सितंबर को भारत भवन की रंगदर्शनी दीर्घा मे समारोह पूर्वक श्री कमलनाथ द्वारा किया गया। इस अवसर पर उनके साथ पूर्व मंत्री श्री सज्जन वर्मा, विधायक गण, आमंत्रित अतिथियों,कला प्रेमियों, पत्रकार एवं सीहोर से पहुंचे बलवीर तोमर की मित्र मंडली ने कलाकृतियों का अवलोकन किया। इन सभी ने मिट्टी से बनाई हुई इन कलाकृतियों की मुक्त कंठ से प्रशंसा की।

इस अवसर पर बलवीर तोमर के कला गुरु श्री आलोक भावसार भी पूरे समय कार्यक्रम में मौजूद रहे। शिल्प कलाकार बलवीर तोमर से जब पूछा गया कि प्रसिद्ध चित्रकारों की चित्रकारी को टेराकोटा के रूप में प्रतिकृति बनाने का विचार आपको कैसे आया तो उन्होंने बताया कि टेराकोटा कलाकृति मिट्टी को पकाकर बनाई जाती है। पक्की मिट्टी से बनी हुई कलाकृति लंबे समय तक संरक्षित रहती है। चित्रकारों द्वारा बनाई गई चित्रकला हमारी धरोहर है। इसे संरक्षित करना हमारी जिम्मेदारी है। इसीलिए महान चित्रकारों की चित्रकला को आधार बनाकर उसके टेराकोटा प्रतिकृति बनाने का यह प्रयास किया है। डा. बलवीर तोमर द्वारा बनाई गई कलाकृतियों को जहां सभी कला प्रेमियों द्वारा सराहा जा रहा है वहीं दूसरी ओर अन्य लोग भी मिट्टी से बनी हुई इन कलाकृतियों को देखकर प्रसन्नता व्यक्त कर रहे हैं एवं प्रेरणा भी ग्रहण कर रहे हैं।

शीतला माता मंदिर के रास्ते का हाल हुआ बेहाल

प्रतीश अग्रवाल रिपोर्ट
पुष्पांजलीं टुडे

गुना-खबर गुना जिले के मधुसुदनगढ़ नगर परिषद की मधुसुदनगढ़ में एक मात्र शीतला माता मंदिर है जहां पर जाने का रास्ता कुछ ऐसा है की आए दिन श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रोड कुछ ऐसी स्थती में है की बड़े बड़े गड्ढे के अलावा कुछ दिख ही नही रहा है साथ ही मोटरसाइकिल से जाने में भी काफी मशक्तत करना पड़ता है । जबकि कुछ दिन बाद ही नवरात्रि प्रारंभ होने वाली है जिसमे नगर के सभी पुरुष महिलाएं एवं छोटी छोटी कन्याए मंदिर पर जल चढ़ाने जाती है। जिससे श्रदालुओ को काफी समस्या उत्पन्न होगी । और इसी रास्ते की वजह से कोई बड़ा हादसा भी हो सकता है। नगर परिषद ष्टरूह्र से बार-बार शिकायत करने पर भी रास्ते की समस्या का समाधान नहीं निकल रहा हैं एकमात्र शीतला माता मंदिर को जाने वाले रास्ते का निर्माण सही ढंग से नहीं किया जा रहा है। जबकि रोड का टेंडर भी हो चुका है इसके बाबजूद कोई ध्यान नही दे रहा है

अवैध मादक पदार्थ के खिलाफ ग्वालियर पुलिस की कार्यवाही

ग्वालियर पुलिस ने आठ गांजा तस्करों को ट्रक व स्कॉपियों सहित किया गिरफ्तार,

540 किलोग्राम गांजा कीमती लगभग 65 लाख रूपये का किया बरामद

ट्रक व स्कॉपियों में लगभग 540 किलोग्राम गांजा भरकर आंध्रप्रदेश से मुरैना ले जाते समय आठ तस्करों को किया गिरफ्तार।

ग्वालियर। अति. पुलिस महानिदेशक ग्वालियर जोन श्री डी. श्रीनिवास वर्मा,भापुसे के निर्देशानुसार ग्वालियर जिले में जीरो टोलरेंस नीति के तहत अवैध मादक पदार्थो की खरीद-फरोख्त करने वालों के विरूद्ध प्रभावी

कार्यवाही की जा रही है। दिनांक 14.09.2022 को पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री अमित सांघी,भापुसे को जरिए मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि गांजा से भरा एक ट्रक आंध्रप्रदेश से मुरैना की ओर जा रहा है, जो कि चिरवाई नाका होकर ग्वालियर से गुजरेगा। उक्त सूचना पर पुलिस अधीक्षक ग्वालियर द्वारा अति0 पुलिस अधीक्षक शहर (दक्षिण) श्रीमती मृगाखी डेका,भापुसे को पुलिस बल की टीम बनाकर मुखबिर की सूचना की तस्दीक करते हुए गांजा तस्करों को पकड़ने हेतु निर्देश किया गया। अति0 पुलिस अधीक्षक शहर (दक्षिण) द्वारा इन्दरगंज सर्किल के समस्त थानों के पुलिस बल की टीमों को गांजा तस्करों को पकड़ने हेतु लगाया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार नगर पुलिस अधीक्षक इन्दरगंज श्री विजय भदौरिया के मार्गदर्शन व नेतृत्व में इन्दरगंज सर्किल की पुलिस टीमों को मुखबिर के बताये अनुसार चिरवाई नाका पर आने-जाने वाले वाहनों की चैकिंग हेतु लगाया गया। पुलिस टीम को चैकिंग के दौरान दोपहर लगभग 03 बजे के करीब एक सफेद रंग की बिना नम्बर की स्कॉर्पियों कार के साथ एक ट्रक शिवपुरी की तरफ से आता दिखाई दिया। पुलिस टीम द्वारा बैरीकेटिंग कर सामने से आ रहे ट्रक व स्कॉर्पियों को चैकिंग हेतु रोका गया। ट्रक की बॉडी पर ''परमार धौलपुर'' लिखा हुआ था। रोके गये ट्रक व स्कॉर्पियों कार की तलाशी लेने पर कार के अन्दर पांच संदिग्ध व ट्रक के अन्दर तीन संदिग्ध व्यक्ति बैठे मिले। पुलिस टीम द्वारा ट्रक व स्कॉर्पियों कार के अन्दर तलाशी लेने पर बोरों में भरा हुआ गांजा मिला। जिसकी तौल कराने पर कुल गांजा 540 किलो कीमती लगभग 65 लाख रूपये आंकी गई।

सरस्वती शिशु मंदिर उरमाल के छात्र-छात्राओं द्वारा विशाल रक्तदान शिविर निकाली भव्य रैली

हेमचंद नागेश रिपोर्टर पुष्पांजली टुडे

गरियाबंद जिला मैनपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम उरमाल मैं सरस्वती शिशु मंदिर के छात्र–छात्राओं द्वारा विशाल रक्तदान शिविर का भव्य रैली निकालकर गांव के

जनता को जागरूक किया। यह 17 सितंबर 2022 को स्वर्णिम ऐतिहासिक दिवस का हिस्सा बनने हेतु संपूर्ण भारत वर्ष में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है इस अवसर पर गांव वासियों को अधिक से अधिक रक्तदान करने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आज सरस्वती शिशु मंदिर उरमाल के छात्र–छात्राओं द्वारा जागरूकता रैली निकाली गई। इस दौरान लोगों से अधिक से अधिक रक्त दान करने 17 सितंबर को विशाल रक्तदान शिविर समुदायक भवन देवभोग में आयोजन किया गया है

जयकारों के बीच हुआ गणेश प्रतिमा का विसर्जन

पुष्पांजली टुडे

बेंगलुरु ---गणेश उत्सव समिति बापूजी नगर द्वारा आयोजित सामूहिक गणेश विसर्जन शोभा यात्रा का शुभारंभ महेंद्र मुणोत ने हिंदू ध्वज लहरा कर किया।इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं द्वारा गणपति बप्पा मोरिया जय श्री राम के उद्घोष से वातावरण भक्तिमय हो गया आयोजक नवीन सेठ एवं हिंदू कार्यकर्ताओं ने मुणोत को सम्मानित किया।

शिवपुरी पुलिस द्वारा चोरी गई बुलोरो को 24 घंटे मे किया बरामद चोरों की तलाश जारी ।

अनिल कुशवाह प्रभारी पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी–दिनांक 14.09.22 को फरियादी जितेन्द्र जोशी निवासी कुवंरपुर ने सुबह सुबह 05.00 बजे थाना सिरसौद आकर कि वह अपनी बुलेरो पिकअप लोडिंग गाडी क्र.एमपी 33 जी 0324 को घर के पास आम रास्ते के बगल में

गाँव कुवंरपुर में खडी करके घर जा कर सो गया सुबह जब 04.00 बजे उठा तो देखा बुलेरो पिकअप जिस स्थान पर खडी थी वहां नहीं है, कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया ।फरियादी की रिपोर्ट पर से थाना सिरसौद पर अप.क्र.243/22 धारा 379 भादवि का कायम कर विवेचना मे लिया गया ।थाना सिरसौद पुलिस द्वारा व्दारा वरिष्ट अधिकारियों को उक्त घटना की सूचना देकर मार्गदर्शन प्राप्त किया एवं अज्ञात बदमाश एवं चोरी गये वाहन की तलाश में पुलिस बल रवाना हुआ और दिन में 11.00 बजे लगभग गोर्वधन से आगे जंगल के आसपास बुलेरो पिकअप को बरामद कर लिया अज्ञात बदमाश जंगल का लाभ उठाकर भाग गये ।अज्ञात आरोपियों का तलाश जारी है ।पुलिस की तुरत कार्यवाही एवं अथक प्रयास से चोरी गई बुलेरो लोडिंग पिकअप कीमती 450000 रुपये बरामद कर लिया गया है । इस कार्य़ में सउनि जगदीश भिलाला,प्र.आर.686 मनीष पचौरी आर.चा.रमेश कमल थाना सिरसौद एवं थाना गोर्वधन के आर.राघेन्द्र जादौन की अहम भूमिका रही है ।

पुलिस थाना पिछोर की टीम ने चोरी गई मोटरसाइकिल को 48 घंटे के अंदर बरामद कर चोर को गिरफ्तार किया।

राकेश परिहार पिछोर पुलिस अधीक्षक शिवपुरी राजेश चंदेल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवपुरी प्रवीण कुमार भूरिया व एसडीओपी पिछोर दीपक सिंह तोमर के निर्देशन में व थाना प्रभारी पिछोर गब्बर सिंह गुर्जर के नेतृत्व में पुलिस थाना पिछोर की टीम ने चोरी गई मोटरसाइकिल को 48 घंटे के अंदर बरामद किया व चोर को गिरफ्तार किया।ग्राम काली पहाड़ी भितरगंवा निवासी सुनील लोधी की एक मोटरसाइकिल हीरो स्प्लेंडर नंबर स्क्क 33स्क्ब 1759 को दिनांक 12/9/22 की रात को घर के पास से अज्ञात चोर चुरा कर ले गया था ।

जनजातीय मद के कार्यों की नियमित निगरानी हो : राज्यपाल श्री पटेल

योजनाओं की मॉनीटरिंग में आधुनिक तकनीक का हो उपयोग

राजभवन में जनजातीय क्षेत्रीय विकास योजनाओं की हुई समीक्षा

जनजातीय क्षेत्रों के लिए योजनाओं के दिशा-निर्देशों के पालन की हो नियमित समीक्षा

भोपाल)। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि जनजातीय समुदाय के लिए नियत राशि का उपयोग उनके कल्याण कार्यों में ही हो। राशि के उपयोग की सूक्ष्म निगरानी हो। इसकी नियमित व्यवस्था की जाए। योजनाओं की भौतिक और वित्तीय उपलब्धियों की मासिक जानकारी संकलित की जानी चाहिए। उन्होंने इस कार्य में आधुनिक सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग करने के निर्देश दिए हैं।

राज्यपाल श्री पटेल राजभवन में जनजातीय क्षेत्रीय विकास योजनाओं की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। श्री पटेल ने जनजातीय कार्य विभाग, वित्त, कृषि, सहकारिता और ग्रामीण विकास विभाग के जनजातीय मद से संचालित योजनाओं के संबंध में अधिकारियों के साथ चर्चा की। उनको आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि अनुसूचित जनजातीय क्षेत्रों में शासन की योजनाओं के दिशा निर्देशों में परिवर्तन और परिवर्धन किया जाना चाहिए। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि वंचित वर्ग और पिछड़ों का उत्थान शासन की प्राथमिकता है। अनुसूचित जनजाति क्षेत्र में सबसे पीछे, सबसे पहले के भाव से कार्य किए जाएँ। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा की है कि कल्याणकारी और विकास योजनाओं से लाभान्वित जनजातीय हितग्राहियों के संबंध में पृथक से आँकड़े संकलित किए जाएँ। उनके हित संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। जनजातीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष दीपक खांडेकर, अपर मुख्य सचिव कृषि अजीत केसरी, प्रमुख सचिव सहकारिता के.सी. गुप्ता, प्रमुख सचिव लोक निर्माण नीरज मंडलोई, प्रमुख सचिव जनजातीय कार्य डॉ. पल्लवी जैन गोविल, राज्यपाल के प्रमुख सचिव डी.पी. आहूजा, प्रमुख सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास उमाकांत उमराव, सचिव वित्त ज्ञानेश?वर बी. पाटिल और जनजातीय प्रकोष्ठ के सदस्य सचिव बी.एस. जामोद और प्रकोष्ठ के अन्य सदस्य सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

हिन्दी हमारे सपनों की भाषा है- डॉ...शिवराज सिंह तोमर

केशव पंडित जी अम्बाह...

अम्बाह... अम्बाह स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बाह में हिन्दी विभाग द्वारा हिन्दी भाषा परिषद के अंतर्गत हिन्दी दिवस पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया । जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में महाविद्यालय

प्राचार्य डॉ.शिवराज सिंह तोमर उपस्थित रहे। डॉ. तोमर ने अपने उदबोधन में कहा कि हिन्दी हमारी मातृभाषा के साथ ही सपनों की भाषा भी है। हिन्दी हमारी मातृ भाषा है माँ हमेसा हमारा भला ही करती है हर हम हिंदी के प्रति समर्पित होंगे तो निश्चित हो हमारा भला होगा। इस अवसर पर महाविद्यालय के पूर्व छात्र कवि दिनेश सिंह सेंगर की पुस्तक %मुक्तक कलश% का विमोचन किया गया और दिनेश जी ने अपने काव्य द्वारा विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। छात्र एवं छात्राओं द्वारा भाषण,कविताओं को प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ.पूर्णिमा अग्रवाल ने किया। डॉ.अभिलाषा श्रीवास्तव ने दिनांक 07 सितंबर से 14 सितम्बर तक चलने वाले हिन्दी सप्ताह का प्रतिवेदन पढ़ा एवं विभागाध्यक्ष डॉ.शशिवल्लभ शर्मा ने सभी का आभार प्रदर्शन किया।

केंद्रीय टीम ने चांचा मनरेगा का काम सड़क का किया पूरा भुगतान 4.30 लाख की तलैया में एक बूंद नहीं ठहरा पानी कागजों में सब दुरुस्त

संवाददाता सुनील कुमार अहिरवार

टीकमगढ़ जिले में मनरेगा के निर्माण कार्यों की जांच करने आए केंद्रीय दल ने बुधवार को पलेरा जनपद के ग्राम पंचायत कछियागुड़ा में निरीक्षण किया। टीम ने नवीन गौशाला, सुदूर सड़क तलैया सहित अन्य निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। इनकी घटिया गुणवत्ता पर टीम ने नाराजगी जताते हुए अधिकारियों को फटकार लगाई। इसके बाद पंचायत भवन में ग्रामीणों से चर्चा की। दरअसल , जिले में मनरेगा योजना में जमकर भ्रष्टाचार हुआ है । जनपद जतारा और पलेरा में कागजों में काम दर्शाकर करोड़ों रुपए भुगतान कर दिए गए। मामले की शिकायत केंद्रीय मंत्री व टीकमगढ़ सांसद डॉ. वीरेंद्र कुमार ने केंद्र सरकार से की थी। जिसके चलते चार सदस्यीय टीम को जांच के लिए भेजा गया। जिसमें मनरेगा डिवीजन के

ज्वाइंट डायरेक्टर अमरेंद्र प्रताप सिंह , असिस्टेंट डायरेक्टर हिमांशी प्रोग्राम ऑफिसर किरण सी और रनजू तुलसी मौजूद रहे। इसके अलावा जिला पंचायत सीईओ सुरेश कुमार मालवीय सहित जतारा और पलेरा के जनपद सीईओ , सब इंजीनियर के अलावा संबंधित पंचायत के सरपंच सचिव रोजगार सहायक उपस्थिति रहे ।

घटिया सड़क का कर दिया भुगतान : कछियागुड़ा पंचायत में सुदूर सड़क योजना के तहत साढ़े 14 लाख रुपए की लागत से मिट्टी डालकर सड़क बनाई गई। टीम ने जब चौड़ाई की नपाई और खुदाई कराई तो सड़क गुणवत्ताहीन निकली। करीब 8 माह पहले डाली गई सड़क गड्ढों में तब्दील हो गई है, जबकि पंचायत ने इसकी पूरी राशि निकाल ली है।

तलैया में एक बूंद भी पानी नहीं : पंचायत में साढ़े 4 लाख रुपए की लागत से तलैया बना दी गई। टीम ने जब निरीक्षण किया तो इसमें पानी ही नहीं था इसका भी आधे से ज्यादा भुगतान कर दिया गया है। जांच टीम ने जब संबंधित दस्तावेज मांगे तो सरपंच सचिव उपयंत्री सहित जनपद और जिला पंचायत सीईओ चुप्पी साध गए । घटिया निर्माण पर टीम ने कड़ी फटकार लगाई।

काम किए बिना निकली राशि: केंद्रीय टीम के पास पंचायत में चल रहे सभी निर्माण कार्यों की सूची उपलब्ध थी। गांव की पहाड़ी पर बनाए जा रहे निर्माण को देखने जब टीम पहुंची तो वहां कुछ भी नहीं मिला जबकि पंचायत ने साफ सफाई के नाम पर 52 हजार रुपए का भुगतान कर दिया।

17 सितम्बर से 31 अक्टूबर तक चलेगा मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान

33 जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाया जायेगा

सागर। राज्य एवं केन्द्र सरकार की हितग्राहीमूलक योजनाओं के सभी पात्र हितग्राहियों को लाभ दिलाने के उद्देश्य से प्रदेश में 17 सितम्बर से 31 अक्टूबर तक प्रदेशव्यापी मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान चलाया जायेगा।

कलेक्टर श्री दीपक आर्य ने बताया कि मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र में दल गठित कर घर-घर सर्वेक्षण करने और योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों को देने की सभी तैयारियाँ की जा रही है। अभियान से कर संबंधित दलों के प्रशिक्षण दिलाने की व्यवस्था भी की गई है।

कलेक्टर श्री दीपक आर्य ने बताया कि इस अभियान के तहत केन्द्र सरकार एवं प्रदेश सरकार की जिन योजनाओं का लाभ हितग्राहियों को उपलब्ध कराया जायेगा, उनमें प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना, स्वच्छ भारत मिशन, मुख्यमंत्री ग्रामीण पथ विक्रेता योजना, पीएम स्वनिधि, इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन, इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय निःशक्त पेंशन, इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन, राष्ट्रीय परिवार सहायता, समग्र सामाजिक सुरक्षा पेंशन, मुख्यमंत्री कन्या अभिभावक पेंशन, वर्ष से अधिक आयु के बहु विकलांग, भौतिक दिव्यांग के लिये आर्थिक सहायता, मुख्यमंत्री कल्याणी विवाह सहायता योजना, दिव्यांग छात्रवृत्ति, निःशक्त शिक्षा प्रोत्साहन, निःशक्त विवाह प्रोत्साहन, उच्च शिक्षा हेतु शिक्षण शुल्क, जीवन निर्वाह भत्ता, चिकित्सक की अनुशंसा से निःशुल्क कृत्रिम अंग सहायक उपकरण, आयुष्मान भारत निरामय, लाड़ली लक्ष्मी योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मुख्यमंत्री बाल आशीर्वाद योजना, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, प्रधानमंत्री उज्वला योजना, मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल के अंतर्गत भवन एवं संनिर्माण श्रमिकों का पंजीयन, आधार अनुदान योजना, किसान क्रेडिट कार्ड (पशुपालन), किसान क्रेडिट कार्ड (सहकारी बैंक के माध्यम से), किसान क्रेडिट कार्ड (मछुआ), मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन योजना तथा किसान क्रेडिट कार्ड (कॉमर्शियल बैंक के माध्यम से) प्रदाय किए जायेंगे।

कलेक्टर श्री आर्य ने बताया कि इन योजनाओं के साथ ही जिले में नमांकन, बँटवारा, सीमांकन के साथ ही शहरी क्षेत्र में नामांतरण एवं भवन निर्माण अनुमति को भी शामिल किया गया है। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने विभाग की योजनाओं का लाभ शतप्रतिशत पात्र हितग्राहियों को दिलाना सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी अनुविभागीय अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में निर्धारित दल के माध्यम से प्रथम चरण में सर्वेक्षण कराने और शिविरों का आयोजन कर पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से लाभान्वित कराना सुनिश्चित करें।

''प्राथमिकऔर माध?यमिक की वार्षिक परीक्षा के 6 माह बाद भी मार्कशीट का अता-पता नही'' शीर्षक स?पष्टीकरण

गुना। दैनिक समाचार पत्र पत्रिका में 13 सितंबर 2022 को ''प्राथमिकऔर माध?यमिक की वार्षिक परीक्षा के 6 माह बाद भी मार्कशीट का अता-पता नही'' शीर्षक से प्रकाशित खबर के संबंध में स?पष?टीकरण देते हुए संयुक?त कलेक?टर एवं जिला परियोजना समन?वयक जिला शिक्षा केंद्र गुना श्रीमति सोनम जैन ने बताया कि तत्सम्बंध में परीक्षा आयोजन निर्देशिका, राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल के पत्र कमांक / राशिके/ मूल्याकंन / वार्षिक मूल्याकंन / 2021-22 / 1999 भोपाल दिनांक 17. 03..22 के अनुसार बिन्दु कमांक 12 में (प्रगति - पत्रक एवं ग्रेडिंग व्यवस्था) में स्पष्ट निर्देश है कि परिक्षार्थीयों के प्रगति पत्रक पोर्टल से जनरेट किये जाकर विकासखण्ड स्त्रोत समन्वयक प्रगति पत्रक के प्रिंट निकालकर हार्ड कॉपी संबंधित शाला प्रभारी को भेजेंगें और शाला प्रभारी द्वारा प्रगति पत्रक परिक्षार्थीयों को वितरित किये जायेंगें ।

भाजपा सांसद संध्या राय का संसदीय क्षेत्र में पांच दिवसीय कार्यक्रम

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड द्य भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं भिंड दतिया लोकसभा सांसद संध्या राय अपने निर्धारित पांच दिवसीय कार्यक्रम के तहत भिंड और दतिया संसदीय क्षेत्र में 15 सितंबर से 18 सितंबर तक एक प्रवास पर रहेगी इस दौरान आगामी संगठनात्मक बैठके एवं पार्टी कार्यकर्ताओं एवं आम जनता से होंगे रूबरू द्य

भाजपा सांसद श्रीमती संध्या राय अपने निर्धारित जनसंपर्क कार्यक्रम के तहत 15 सितंबर को अपने निजी निवास चंबल कॉलोनी भिंड में पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगी और उनकी समस्याओं को सुनकर प्रशासनिक अधिकारियों को आवश्यक निर्देश प्रदान किए जाएंगे द्य इसी दिन श्रीमती राय संस्कृति मैरिज गार्डन में समय 12रू00 भाजपा जिला कार्यसमिति की बैठक में भाग लेंगी द्य दोपहर 2रू00 बजे भिंड से ग्वालियर के लिए प्रस्थान , शाम 6रू00 बजे ग्वालियर से भिंड के लिए रवाना, 16 सितंबर को भिंड से दतिया के लिए रवाना होंगी जहां 12रू30 बजे दतिया जिला कार्यसमिति की बैठक में शामिल होंगी, इसी दिन 10रू30 बजे ग्वालियर विश्राम गृह पर पहुंचकर विश्राम करेंगी 17

सितंबर को मुरैना जिले के श्योपुर जिले के लिए रवाना होंगे जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कार्यक्रम को संबोधित करेंगे द्य इसी दिन शाम को 7रू30 बजे सुपौल से करहल के लिए प्रस्थान करेंगे जहां अनेक कार्यक्रम में होंगे शामिल होगी द्य 18 तारीख को 12रू30 बजे दतिया जिला भाजपा की कोर कमेटी में शामिल होंगी

एलीवेटेड रोड़ सहित 1128 करोड़ लागत की 7 सड़क परियोजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण आज

अंतर्राज्यीय बस टर्मिनल का होगा शिलान्यास

केन्द्रीय मंत्री नितिन गड़करी, मुख्यमंत्री चौहान एवं केन्द्रीय मंत्री द्वय तोमर व सिंधिया की मौजूदगी में होगा शिलान्यास व लोकार्पण

ग्वालियर । ग्वालियर शहर में विकास के नए आयाम के रूप में जुड़ने जा रही एलीवेटेड रोड़ सहित लगभग 1128 करोड़ रूपए की लागत की 222 किलोमीटर लम्बी 7 सड़क परियोजनाओं का 15 सितम्बर को शिलान्यास एवं लोकार्पण होगा। साथ ही ग्वालियर में बनने जा रहे अंतर्राज्यीय बस टर्मिनल की आधारशिला भी इस दिन रखी जायेगी। इस दिन अपरान्ह 3=30 बजे यहाँ गोले का मंदिर मुरैना लिंक रोड़ पर टिपल आईटीएम के सामने स्थित केन्द्रीय दिव्यांगजन खेल परिसर में केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गड़करी द्वारा प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में इन विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया जायेगा। समारोह में केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर तथा केन्द्रीय नागरिक उड्डयन एवं इस्पात मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया बतौर विशिष्ट अतिथि मौजूद रहेंगे।

ये अतिथि रहेंगे मौजूद

समारोह में केन्द्रीय सड़क परिवहन व राजमार्ग राज्य मंत्री एवं सेवानिवृत्त जनरल डॉ. वी के सिंह, प्रदेश के गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र, लोक निर्माण मंत्री गोपाल भार्गव, जिले के प्रभारी एवं जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया, राजस्व व परिवहन मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत, चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग, पंचायत एवं ग्रामीण मंत्री महेन्द्र सिंह सिसौदिया, ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह, उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) भारत सिंह कुशवाह, लोक निर्माण राज्य मंत्री सुरेश धाकड़, लोक स्वास्थ्य यात्रिकी राज्य मंत्री बृजेन्द्र सिंह यादव, सांसद ग्वालियर विवेक नारायण शेजवलकर, सांसद गुना कृष्णपाल सिंह यादव, सांसद विदिशा रमाकांत भार्गव, सांसद भिण्ड श्रीमती संध्या राय, महापौर डॉ. शोभा सतीश सिकरवार, विधायक कोलारस वीरेन्द्र रघुवंशी, विधायक कुरवाई हरिसिंह सप्रे, विधायक भाण्डेर श्रीमती रक्षा संतराम सरोनिया, विधायक चंदेरी गोपाल सिंह चौहान, विधायक भितरवार लाखन सिंह यादव व विधायक डबरा सुरेश राजे को बतौर अतिथि आमंत्रित किया गया है।

इन कार्यों का होगा शिलान्यास व लोकार्पण

जिन विकास कार्यों का शिलान्यास होगा, उनमें सीआरआईएफ (केन्द्रीय सड़क अधोसंरचना निधि) योजना के तहत लगभग 447 करोड़ रूपए की लागत से ग्वालियर शहर में स्वर्ण रेखा नदी पर टिपल आईटीएम कॉलेज के समीप से महारानी लक्ष्मीबाई प्रतिमा तक बनने जा रहा फोरलेन एलीवेटेड सड़क मार्ग शामिल है। साथ ही स्मार्ट सिटी द्वारा हजीरा थाने के समीप लगभग 25 एकड़ रकबे में 64 करोड़ 22 लाख रूपए की लागत से बनाए जाने वाले आईएसबीटी (अंतर्राज्यीय बस टर्मिनल) का शिलान्यास भी होगा। इसके अलावा सीआरआईएफ योजना के अंतर्गत चीनौर-करहिया एवं करहिया-भितरवार सड़कमार्ग एवं डबरा-पिछोर रोड़ से कटारे बाबा की समाधि-बडेरा के बीच सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास किया जायेगा। जिन कार्यों का लोकार्पण होगा, उनमें सीआरआईएफ योजना के अंतर्गत ग्वालियर शहर में आगरा लूप से शताब्दीपुरम मार्ग पर आरओबी का निर्माण कार्य और सीआरआईएफ योजना के अंतर्गत ही कोलारस जिला शिवपुरी के अंतर्गत मेघोनाबाड़ा से अमरौद (मुँगावली जिला अशोकनगर) तक सड़क निर्माण कार्य शामिल हैं।

सीएम शिवराज ,केन्द्रीय मंत्री गडकरी, श्रीमंत सिंधिया आज आयेंगे

ग्वालियर ।अजयभारत न्यूज

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान 15 सितम्बर को ग्वालियर प्रवास पर आयेंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान इस दिन अपरान्ह 3=15 बजे राजकीय विमान से राजमाता विजयाराजे सिंधिया विमानतल महाराजपुर पहुँचेंगे।

छटनी की परमीशन लेकर काट दिया 5 दशक पुराना पेड़

स्थानीय पर्यावरण प्रेमियों की जागरूकता ने अन्य 5 पेड़ कटने से बचे

ग्वालियर । बुधवार को एक निर्ममता की पराकाष्ठा की तस्वीर सामने आई। जिसमें चेतकपुरी स्थित रामजानकी मंदिर में नगर निगम के उद्यान विभाग से छटनी की परमिशन लेकर 5 दशक पुराने हरा भरा आम का वृक्ष मंदिर कमेटी द्वारा कटवा दिया गया। जैसे ही यह जानकारी स्थानीय पर्यावरण प्रेमी शिवेंद्र सिंह सोलंकी व अन्य को प्राप्त हुई। उन्होंने मौके पर पहुंचकर पेड़ काटने की कार्रवाई बन्द करवाई। जिससे चार से पांच दशक पुराने 5 पेड़ कटने से बच गए। पर्यावरण प्रेमियों ने निगम कर्मचारियों को सूचना देकर स्थल पंचनामा बनवाया। जिसमें निगम कर्मचारियों ने हरा भरा आम का पेड़ काटने की पुष्टि की। और मध्यप्रदेश वृक्ष अधिनियम 2001 के अनुसार पेड़ की छटाई की परमिशन पर कटाई की कार्रवाई नियम विरुद्ध मानी। पूरे मामले को आगामी कार्यवाही हेतु प्रेषित किया। अब सवाल यह उठता है कि बार-बार पेड़ों को विकास के नाम पर काटने का दुस्साहस सरकार और जनता द्वारा क्यों किया जाता है ? वह भी उस दौर में जब कोरोना काल में इन पेड़ों से मिलने वाली प्राणवायु का महत्व हम सब ने समझा। क्यों इन पर्यावरण अपराधियों के विरुद्ध सशक्त कार्यवाही नहीं होती ? जिससे इस तरह का कुकत्य करने के बारे में लोग सोच ही नहीं पाए।

इनका कहना है

'हमारे द्वारा पेड़ नही काटा गया है। नगर निगम से हमने पेड़ की छटनी करने के लिए 100 रूपये की पर्ची कटवाई थी। नगर निगम के कर्मचारियों ने ही पेड़ काटा है।'

-नीलकमल महेश्वरी, अध्यक्ष, मंदिर कमेटी

'जैसे ही हमें पेड़ काटने की सूचना मिली हम स्थानीय निवासियों ने पेड़ काटे जाने का विरोध किया है। निगम अधिकारियों को सूचना देकर पंचनामा बन गया है। और मंदिर की कथाकथित कमेटी की प्राथमिकी भी स्थानीय पर्यावरण प्रेमियों द्वारा कराई जा रही है।'

शिवेंद्र सिंह सोलंकी पर्यावरण प्रेमी, स्थानीय निवासी

'दशकों पुराने वृक्षों को लगातार सरकारी विभाग व आम नागरिकों द्वारा निर्ममता से काटा जाता रहा है। विरोध करने पर कटाई जब रुकती है, तब एक-दो पेड़ काट दिए जाते हैं। अतः पेड़ों की कटाई किसी भी कीमत पर नहीं की जानी चाहिए। समस्या का स्थाई समाधान निकालना होगा।'

- राज चड्ढा संयोजक, दाना पानी फॉर बर्ड्स

अवैध मादक पदार्थ के खिलाफ ग्वालियर पुलिस की कार्यवाही

ग्वालियर पुलिस ने आठ गांजा तस्करों को ट्रक व स्कॉर्पियों सहित किया गिरफ्तार

540 किलोग्राम गांजा कीमती लगभग 65 लाख रूपये का किया बरामद

ट्रक व स्कॉर्पियों में लगभग 540 किलोग्राम गांजा भरकर आंध्रप्रदेश से मुरैना ले जाते समय आठ तस्करों को किया गिरफ्तार

ग्वालियर। अति. पुलिस महानिदेशक ग्वालियर जोन श्री डी. श्रीनिवास वर्मा,भापुसे के निर्देशानुसार ग्वालियर जिले में जीरो टोलरेंस नीति के तहत अवैध मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त करने वालों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। दिनांक 14.09.2022 को पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री अमित सांघी,भापुसे को जरिए मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि गांजा से भरा एक ट्रक आंध्रप्रदेश से मुरैना की ओर जा रहा है, जो कि चिरवाई नाका होकर ग्वालियर से गुजरेगा। उक्त सूचना पर पुलिस अधीक्षक ग्वालियर द्वारा अति0 पुलिस अधीक्षक शहर (दक्षिण) श्रीमती मृगाखी डेका,भापुसे को पुलिस बल की टीम बनाकर मुखबिर की सूचना की तस्दीक करते हुए गांजा तस्करों को पकड़ने हेतु निर्देश किया गया। अति0 पुलिस अधीक्षक शहर (दक्षिण) द्वारा इन्दरगंज सर्किल के समस्त थानों के पुलिस बल की टीमों को गांजा तस्करों को पकड़ने हेतु लगाया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार नगर पुलिस अधीक्षक इन्दरगंज श्री विजय भदौरिया के मार्गदर्शन व नेतृत्व में इन्दरगंज सर्किल की पुलिस टीमों को मुखबिर के बताये अनुसार चिरवाई नाका पर आने-जाने वाले वाहनों की चैकिंग हेतु लगाया गया। पुलिस टीम को चैकिंग के दौरान दोपहर लगभग 03 बजे के करीब एक सफेद रंग की बिना नम्बर की स्कॉर्पियों कार के साथ एक ट्रक शिवपुरी की तरफ से आता दिखाई दिया। पुलिस टीम द्वारा बैरीकेटिंग कर सामने से आ रहे ट्रक व स्कॉर्पियों को चैकिंग हेतु रोका गया। ट्रक की बॉडी पर ''परमार धौलपुर'' लिखा हुआ था। रोके गये ट्रक व स्कॉर्पियों कार की तलाशी लेने पर कार के अन्दर पांच संदिग्ध व ट्रक के अन्दर तीन संदिग्ध व्यक्ति बैठे मिले।

सामूहिक क्षमावाणी पर निकाली विशाल शोभायात्रा

चांदी के रथ में श्रीजी सवार होकर निकले, शोभायात्रा में रिमझिम वर्षा में गुरुभक्तों का उमड़ सैलाब, 3 घंटे में पहुँची

मुनिश्रीके सानिध्य में शोभायात्रा में घोड़े, बाग्गी, झाकिया, डांडिया नृत्य एवं बैंड हुआ सम्मिलित

ग्वालियर । माधवगंज स्थित चितेरा ओली दिगंबर जैन मंदिर से देव, शास्त्र व गुरु की विशाल शोभायात्रा श्रमण मुनिश्री विनय सागर महाराज संसंघ के मंगल सानिध्य में आज बुधवार को शहर में विशाल ऐतिहासिक क्षमावाणी शोभायात्रा निकाली गई। इस 3 घंटे की शोभायात्रा के साक्षी सकल दिगंबर जैन समाज, साधनमय बर्षयोग समिति, पुलक मंच परिवार एवं मुख्य संयोजक मनोज जैन कॉलेज ग्वालियर सहित गुरुभक्त साक्षी बने और शोभायात्रा में पूरे रिमझिम बारिश में उत्साह के साथ हिस्सा लिया। जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि श्रमण मुनिश्री विनय सागर महाराज के सानिध्य में सामूहिक क्षमावाणी पर देव शास्त्र गुरु की शोभायात्रा माधवगंज से शुरू हुई। शोभायात्रा में सबसे आगे घोड़े युवा सवार थे, प्रथम बाग्गी में श्री सोहनलाल शकुंतला जैन जैन ध्वज लेकर बैठे थे। वही बैंड-बाजों की प्रस्तुत धार्मिक भजनों और ढोल-ताशों की धुन पर जैन समाज की अलग अलग संस्था की महिलाये साफा बंधे एवं बालिकाएं जगह - जगह डांडिया नृत्य करते हुए चल रही थी। महिलाएँ हाथों में जैन धर्म के संदेश लिखे हुए तख्तियां लेकर चल रही थी। सबसे पीछे चांदी के रथ में भगवान जिनेंद्र की प्रतिमा राजेश जैन लेकर बैठे थे। बग्गियों में बच्चों की 10 धर्मों की झांकिया चल रही थी। मुनिश्री के साथ पुरुष जयकारों के साथ चल रहे थे। शोभायात्रा में मुनिश्री का जगह जगह विभिन्न समाजजनों एवं संस्थाओं ने पलक-पावड़े बिछाकर पाद प्रक्षालन कर भव्य स्वागत-वंदन किया।

जगत गुरू शंकरचार्य जी का हमेशा बना रहेगा आर्शीवाद

भारत युगों-युगों तक रखेगा याद

ग्वालियर। जगत गुरू शंकरचार्य स्वरूपानंद जी महाराज के देवलोक गमन पर जगत गुरू के परमशिष्य सूर्यकांत शर्मा, डॉ. देवेन्द्र शर्मा के निवास स्थान रामबाग कॉलोनी पर श्रद्धांजली सभा में दंदरउआ सरकार के रामदास महाराज जी, रामचरण दास जी महाराज, साक्षी पीठ के साक्षी महाराज, संत कृपाल सिंह, महापौर श्रीमती शोभा सतीष सिकरवार सहित उनके अनुयाईयों धार्मिक, सामाजिक, व्यापारिक, राजनैतिक प्रतिनिधियों, एवं ग्वालियर के नागरिको ने उनके चित्र पर माल्यपर्ण कर नमन किया। मां कनकेष्वरी देवी ने लाईव संदेष देकर जगत गुरू के चरणों में श्रद्धांजली अर्पित की। ज्योती पीठ से आया संदेष पढकर सुनाया नटवर लाल जोषी, अ.भा. जनउत्थान न्यास के अध्यक्ष। श्रद्धांजली सभा का संचालन शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र शर्मा ने किया। ग्वालियर एवं उपस्थित एवं जगत गुरू के अनुयाईयो ने जगत गुरू शंकरचार्य जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर भंवभीनी श्रद्धांजली अर्पित करते हुए दंदरऔ सरकार, रामदास जी महाराज, संतकृपाल सिंह, सूर्यकांत शर्मा, सुनील शर्मा, मेहेप मुदगल, रामबाबू कटारे, जेपी शर्मा एड., ने कहा कि जगत गुरू संसार में विख्यात के ज्ञाता थे, पूरे भारत में सर्वधर्म सद्भाव की प्रेरणा थे, अपने जीवनकाल में दुखी, पीड़ित मानवो के रक्षक थे, आजादी के आंदोलन में उनका योगदान अविस्मरणीय है, सत्य के मार्ग पर चलना, सत्य ही बोलना, सत्य का मार्ग दिखना उनकी सत्यता का प्रतीक है। ऐसे महान विभुती का आर्शीवाद सदा ग्वालियर और भारत पर रहेगा, युगों-युगों तक उनकी प्रेरणा को हर भारतवासी याद रखेगा। श्रद्धांजली सभा में महाराज सिंह पटेल, अमर सिंह माहोर, सरमन राय, जयराज चैहान, प्रभूदयाल जोहरे, हेवरन सिंह कंसाना, नरेन्द्र सिंह, डॉ. रीमा शर्मा, श्रीमती सीमा समाधिया, श्रीमती वीणा भारद्वाज, आरडी शर्मा, जयवीर भारद्वाज, देषराज भार्गव एड, रामनरेष परमार, ओमप्रकाष दुबे, सुरेन्द्र चैहान, तरूण यादव, आदित्य सेंगर, संजीव दीक्षित, अजीत गोस्वामी, गुजंन शर्मा, मोनू सोलंकी, अमर कुटे, विक्कू राजावत, संजय शर्मा महलगांव, राघवेन्द्र घुरैया, साहिल खान, राहुल शर्मा, अनिल शर्मा, सोनू भदोरिया, गिरांज शर्मा, मिक्की तोमर, अनुप षिवहरे, रामदत्त शर्मा सहित अनेक अनुयाई उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

सत्येन्द्र शर्मा ने पीले चावल देकर आमंत्रण दिया

ग्वालियर । केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के प्रयासों से 1500 करोड़ की लागत से ग्वालियर में एलिवेटेड रोड़ एवं अंतरराष्ट्रीय बस अड्डा आईएसबीटी के भूमिपूजन कार्यक्रम में आमंत्रण के लिए आज भारतीय जनता पार्टी के जिला मंत्री सत्येन्द्र शर्मा ने आज रामाजी का पुरा बहोड़पुर पर पीले चावल देकर अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में पहुंचने का आव्हान किया। जिला मंत्री श्री शर्मा ने कहा ग्वालियर के विकास में के लिए केंद्रीय नागरिक उड्डयन एवं इस्पात मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के द्वारा लगातार सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं जिसके परिणाम स्वरूप हजारों करोड़ों की सौगातें ग्वालियर शहर को मिल रही है।

200 मरीजों ने नेत्र परीक्षण का लाभ उठाया

ग्वालियर । जीवाएऐमसी क्लब ,अचलेश्वर मंदिर के पास में निःशुल्क नेत्र परीक्षण एवं मोतियाबिंद लेंस प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन किया गया ।प्रत्येक माह के प्रथम सोमवार को दोपहर 2 से 5 बजे के मध्य इसी स्थान पर किया जाता है। इस शिविर में लगभग 200 मरीजों ने अपना निःशुल्क नेत्र परीक्षण का लाभ उठाया। यह परीक्षण रतन ज्योति चैरिटेबल फाउंडेशन ट्रस्ट ग्वालियर, जी.वाई.एम.सी. क्लब ,रोटरी कम्युनिटी क्रॉप के सहयोग से रोटरी रीजनल मेडिकल मिशन के अंतर्गत आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि जी वाई एमसी क्लब के सचिव रंजीत पंजवानी, निर्मल खत्री ,आरसीसी अध्यक्ष नवरत्न अतरौलिया, श्रीमती मालती अतरौलिया, सचिव आर एम सक्सेना अन्य सदस्य प्रेम नारायण श्रीवास्तव , भगवानदास शर्मा , जेके भाले और रतन ज्योति नेत्रालय के डॉ. दीपक भदोरिया की संयुक्त टीम के साथ आयोजित किया गया।शिविर के सफल संपन्नता के लिए शिविर कार्यक्रम संयोजक सुनील बंसल ने सभी का आभार व्यक्त किया ।

कैट :वाणिज्यकर मंत्री जगदीश देवड़ा को पत्र लिखा

ग्वालियर । कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) मध्यप्रदेश ने प्रदेश के वाणिज्यकर मंत्री जगदीश देवड़ा जी को पत्र लिखकर राज्य कर विभाग में छापेमार कार्यवाही करने के लिये पहचानी जाने वाली एंटी इवेजन विंग को खत्म करने की मांग की है। कैट मध्यप्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र जैन, महामंत्री मुकेश अग्रवाल, वाणिज्यकर मंत्री जगदीश देवड़ा को लिखे पत्र में दावा किया है कि जीएसटी आने के बाद और ई-बेबिल लागू होने के बाद इस विंग का कोई औचित्य नहीं रहता है बल्कि यह विशेष दस्ता व्यापारियों को परेशान करता है अतः इसे समाप्त किया जाना चाहिये। कैट मध्यप्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस सरकार में तत्कालीन वाणिज्यकर मंत्री स्व. वृजेन्द्र सिंह राठौर ने मार्च 2019 में एंटी इवेजन विंग को खत्म करने का अल्टीमेटम भी दे दिया था। राज्य कर विभाग (स्टेट जीसीटी) के आयुक्त लोकेश जाटव ने भी विभाग में दिये गये अपने प्रजेनटेशन में एंटी इवेजन विंग को समाप्त करने का उल्लेख किया है। कैट ने मांग की है कि राज्य कर विभाग (स्टेट जीएसटी) में भ्रष्टाचार की शिकायतों को कम करने के लिये एंटी इवेजन विंग को खत्म करना एक आवश्यक पहल है।

ग्रामीणों को आसानी से उपलब्ध हों स्वास्थ्य सुविधाएं : राजेश शर्मा

करहिया में मना राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस,सरपंच ने एल्बेंडजोल की गोली खिलाकर कार्यक्रम का किया शुभारंभ

भितरवार । शासन द्वारा संचालित स्वास्थ्य सुविधाएं ग्रामीणों को आसानी से उपलब्ध हों। इसके लिए स्वास्थ्य कर्मी जिम्मेदारी पूर्वक कार्य करें। गांव में स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं से कोई भी वंचित न रहे इसका पूरा ध्यान रखा जाए। यह बात करहिया सरपंच राजेश शर्मा ने आयोजित कृमि मुक्ति दिवस के कार्यक्रम में कही। भारत सरकार के निर्देशानुसार स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास और शिक्षा विभाग द्वारा मंगलवार को ग्राम पंचायत करहिया में कृमि मुक्ति दिवस मनाया गया। जिसमें मुख्य अतिथि सरपंच राजेश शर्मा थे। जिन्होंने बच्चों को एल्बेंडजोल की गोली खिलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने उपस्थित स्वास्थ्य कर्मियों से कहा कि गांव के लोग स्वास्थ्य सुविधाओं के लाभ से वंचित न रहें। कार्यक्रम में कृमि नाशक के लिए इन विभागों के कर्मचारियों ने बच्चों को एल्बेंडाजोल की गोली का सेवन कराया। कार्यक्रम में इस अवसर पर आशा सुपरवाइजर वसंती शाक्य आदि उपस्थित थीं। वहीं इसी प्रकार विकासखंड के अन्य गांवों में भी बीएमओ डॉ रामबाबू गौड़ के निर्देशन में तैनात किए स्वास्थ्य कर्मियों की टीम विकासखंड के सभी शासकीय / अशासकीय अनुदान प्राप्त शाला, केन्द्र शासित विद्यालय,स्कूल,मदरसा,तथा आंगनवाड़ी केन्द्रों पर पहुँचीं। जहां इन स्वास्थ्य कर्मियों ने राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस मनाते हुए आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और शिक्षकों के सहयोग से 1 से 19 वर्ष तक के बच्चों को कृमि नाशन के लिए एल्बेंडाजोल की चबाने वाली गोली का उम्रानुसार सेवन कराया।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णौपुरम्, एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रित करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास, भिण्ड रोड, गोले का मंदिर जिला ग्वालियर, मध्य प्रदेश 474005 से प्रकाशित। संपादक- भरत सिंह चौहान पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार। E-mail : pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, M.: 8269307478